फाल्गुन कृष्ण पक्ष -9, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 218 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

11 फरवरी 2026 बुधवार

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह मंत्रालय का आदेश, सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में होगा लागू

राष्ट्रगान से पहले पूरा राष्ट्रगीत वंदे मातरम.. गाना अनिवार्य

नईदिल्ली, एजेंसी

अब राष्ट्रगान जन-गन-मन की तरह राष्ट्रगीत वंदे मातरम भी अनिवार्य हो गया है। वंदे मातरम को लेकर नया नियम आया है जिसके तहत अब वंदे मातरम को राष्ट्रगान से पहले गाया जाएगा। इस दौरान खड़े रहना जरूरी है। हर सरकारी कार्यक्रम में यह अनिवार्य तौर पर गाया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने 10 पन्नों का विस्तृत दिशा-निर्देश निकाला है। आदेश में कहा गया है कि अब सरकारी कार्यक्रमों में सिर्फ पहले दो अंतरे नहीं, बल्कि पूरे छह अंतरे में तीन मिनट और दस सेकण्ड का वंदे मातरम गाया जाएगा या बजेगा। जब वंदे मातरम और राष्ट्रगान दोनों बजेंगे तो वंदे मातरम पहले आएगा। गाने के दौरान सबको खड़े होकर सम्मान देना होगा, ठीक उसी तरह जैसे राष्ट्रगान के वक्त नियम का पालन होता है। लेकिन हर जगह यह नियम लागू नहीं होगा। सिनेमा हॉल में यह बिल्कुल अनिवार्य नहीं है जबकि स्कूलों में भी सिर्फ प्रोत्साहन है, सख्ती से लागू नहीं है। वन्दे मातरम गाना या बजाना इन कार्यक्रमों में अनिवार्य किया गया है उनमें पद्म पुरस्कार जैसे नागरिक सम्मान समारोह, राष्ट्रपति के औपचारिक राजकीय कार्यक्रम में उनके आने-जाने के समय, राष्ट्रपति के देश के नाम संबोधन से पहले और बाद में, राज्यपाल/उपराज्यपाल के राज्य में औपचारिक कार्यक्रम में आने-जाने के समय और राष्ट्रीय झंडा परेड शामिल हैं।

न्यूज विंडो

ग्रामीणों ने एसडीएम ऑफिस पर फेंके पत्थर

छतरपुर। छतरपुर में देर रात केन बेतवा लिंक प्रोजेक्ट को लेकर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने एसडीएम के ऑफिस पर पथराव कर दिया। कुछ ग्रामीणों की गिरफ्तारी के बाद प्रदर्शनकारी उग्र हो गए थे। इस पर वे देर रात एसडीएम ऑफिस पहुंचे और उसे घेर लिया, इसके बाद पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए वाटर कैनन चलाई और हल्का बल प्रयोग किया। केन वेतबा लिंक परियोजना के विस्थापित होने वाले ग्रामीण निर्माण क्षेत्र में बीते 5 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि उन्हें सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है उनको घर बनाकर नहीं दिए जा रहे हैं।

श्रम कानून के खिलाफ कल बैंक कर्मियों की हड़ताल

नईदिल्ली। केंद्र सरकार की श्रमिक नीतियों के विरोध में गुरुवार को बैंककर्मी हड़ताल करने जा रहे हैं। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के अलावा एलआईसी, जीआईसी जैसी बीमा क्षेत्र की यूनियनों ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। इस हड़ताल के कारण गुरुवार को बैंकिंग और बीमा सेवाएं प्रभावित रहेंगी। मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन के चेयरमैन मोहन कृष्ण शुक्ला ने बताया कि गुरुवार सुबह 10 बजे गांधी हाल स्थित अभिनव कला समाज में विशाल आमसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिताओं में बदलाव किया गया है, जो कर्मचारी विरोधी नीतियां हैं।

जेप्टो के गोदाम में आग 10 करोड़ का सामान खाक

रेवाड़ी। रेवाड़ी शहर के हुडा बाईपास स्थित राजेश पायलट चौक के समीप ऑनलाइन ग्रासरी के सामान की डिलीवरी करने वाली जेप्टो कंपनी के गोदाम में भीषण आग लग गई।आग को बुझाने में दमकल विभाग की 21 गाड़ियां के सहारे दमकलकर्मी चार घंटे तक मशक्कत करते रहे। आग की वजह से गोदाम में रखा करीब 10 करोड़ रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

भाजपा नेता ने सूदखोरी का आरोप लगा खाया जहर

खंडवा। खंडवा जिले में कर्ज और सूदखोरी से परेशान भाजपा नेता व ठेकेदार जितेंद्र जीतू चौधरी की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। घटना मोघट थाना क्षेत्र के आनंद नगर की बताई जा रही है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह आर्थिक दबाव और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर जितेंद्र चौधरी ने आत्मघाती कदम उठाया। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

आज का कार्टून

अपने हितों की रक्षा... संसद की स्थायी समिति की बैठक में दी गई जानकारी

भारत का फैसला..जहां से अच्छा और सस्ता मिलेगा, वहीं से खरीदेंगे तेल

नईदिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भारत-अमेरिका ट्रेड डील और रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक में विदेशऔर वाणिज्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने समिति को बताया कि भारत उन देशों से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा, जहां यह सस्ता और सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला है। साथ ही, भारतीय तेल कंपनियां भू-राजनीतिक स्थिति और गैर-प्रतिबंधित स्रोतों को ध्यान में रखते हुए तेल की खरीदारी करेंगी।

सूत्रों के अनुसार दोनों मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारियों ने भारत सरकार के इरादे साफ़ कर दिए। थरूर ने इस बैठक को बेहद प्रभावी बताया, जो तीन घंटे से अधिक समय तक चली और इसमें 30 में 28 सदस्यों ने भाग लिया। थरूर ने संवाददाताओं से कहा, अधिकारियों ने हर सवाल का बड़े विस्तार और आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया। यह समिति के कामकाज का एक बेहतरीन उदाहरण था। सरकार की ओर से सांसदों के सामने अपनी बात रखने वालों में विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी शामिल थे। थरूर ने बताया कि बैठक का अधिकांश समय भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर केंद्रित रहा। इसमें रूसी तेल और कृषि उत्पादों सहित सभी विषयों पर चर्चा हुई।अधिकारियों ने समिति को बताया कि भारत, अमेरिका के साथ अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने पर काम कर रहा है। अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले 18 प्रतिशत टैरिफ के जवाबी शुल्क पर थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्टार पर व्यापार को हथियार बनाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने भी इस प्रस्तुति को उपयोगी बताया और कहा कि अधिकारियों ने व्यापार समझौतों के प्रमुख पहलुओं पर विस्तार से स्पष्टीकरण दिया है।

अमेरिका ने ट्रेड डील से दालों को हटाया

अमेरिका ने हाल ही हुई में ट्रेड डील में भारत को और ढील दी है। व्हाइट हाउस ने ट्रेड डील पर अपनी फैक्ट शीट में बदलाव करते हुए इसमें से दालों का जिक्र हटा दिया है। यानी दालों का भारत में निर्यात नहीं होगा। इसे भारत के दाल उत्पादकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। साथ ही भारत के लिए 500 अरब डॉलर की प्रस्तावित खरीद से जुड़े शब्दों को पक्के 'कमिटमेंट' से बदलकर 'इंटेंट' यानी इरादा कर दिया गया है। इससे उम्मीद है कि भारत को 500 अरब डॉलर का अमेरिकी सामान खरीदना अनिवार्य नहीं रह गया है। फैक्ट शीट में पहले कहा गया था, भारत सभी इंडस्ट्रियल सामानों और कई तरह के खाने और खेती के प्रोडक्ट्स पर टैरिफ खत्म करेगा या कम करेगा। इनमें सूखे डिस्टिलर्स ग्रेन, लाल ज्वार, ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, कुछ दालें, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स, और दूसरे प्रोडक्ट्स शामिल हैं। मगर व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अभी मौजूद डॉक्यूमेंट के अपडेटेड वर्जन में यह बात नहीं है।

पाक रक्षा मंत्री का दर्द

अमेरिका ने हमें टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल कर फेंका

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसने अपने रणनीतिक फायदे के लिए उनके देश का इस्तेमाल किया और फिर अपने मकसद पूरे होने के बाद उसे टॉयलेट पेपर के टुकड़े की तरह फेंक दिया।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बोलते हुए आसिफ ने माना कि पाकिस्तान अक्सर अपनी टेरर हिस्ट्री से इनकार करता है और इसे पहले के तानाशाहों की गलती कहता है। पाकिस्तानी मंत्री ने दो अफगान युद्धों में इस्लामाबाद के शामिल होने को भी एक गलती बताया और कहा कि आज पाकिस्तान में आतंकवाद पिछली गलतियों का नतीजा है। आसिफ ने 1999 के बाद वॉशिंगटन के साथ पाकिस्तान के फिर से तालमेल पर बात की।

अध्यक्ष के चेंबर की घटना का उल्लेख... मौजूद थीं प्रियंका गांधी

रिजिजू बोले- कांग्रेस सांसदों ने दीं स्पीकर को गालियां

नईदिल्ली, एजेंसी

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की खबरों के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसदों पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद लोकसभा स्पीकर के चेंबर में घुस गए और उन्हें गाली दी। उन्होंने कहा, 'कम से कम 20-25 कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर के चैंबर में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौच की, मैं भी उस समय वहीं मौजूद था। स्पीकर बहुत नरम इंसान हैं, नहीं तो सख्त कार्रवाई होती। प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल समेत सीनियर कांग्रेस नेता भी उस समय वहीं मौजूद थे, और वे उन्हें लड़ने के लिए उकसा रहे थे।

नोटिस में खामियां: इस बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ दिए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में खामिया पाई गई हैं। सचिवालय को विपक्ष को संशोधन का निर्देश दिया है। द्वारा प्रस्तुत दोषपूर्ण नोटिस को खारिज होने से बचाने के लिए उसमें संशोधन करने का निर्देश दिया और त्वरित कार्रवाई का आदेश दिया है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी शूटर समेत 9 लोगों की मौत

25 घायल, स्कूल में पढ़ते हैं 175 स्टूडेंट

ओटाव, एजेंसी

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। पुलिस के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र शामिल है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात को काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे अपने घर लौट जाएं और वहीं सुरक्षित रहें।

सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में क्लास 7 से 12 तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट कमांडर केन फ्लॉयड ने कहा कि हालात तेजी से बदल रहे थे और स्थिति काफी गंभीर थी। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रशासन, इमरजेंसी टीमों और स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस को कार्रवाई करने में मदद मिली। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे) पर स्कूल में गोलीबारी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस स्कूल के अंदर दाखिल हुई। वहां कई लोग घायल और मृत हालत में मिले। एक व्यक्ति जिसे हमलावर माना जा रहा है वो भी मृत पाया गया। उसके शरीर पर खुद को चोट पहुंचाने के निशान मिले हैं।

पुण्यतिथि पर पं. दीनदयाल उपाध्याय को नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर राजधानी में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सीमेंट कारोबारी को रिटायर्ड फौजी ने मारी गोली

मुरैना, एजेंसी

मुरैना जिले में आज सुबह एक रिटायर्ड फौजी ने सीमेंट व्यापारी को गोली मार दी। गोली व्यापारी की पसलियों को चीरती हुई पेट में जाकर फंस गई है। कारोबारी को गंभीर हालत में ग्वालियर सिम्स में रेफर किया गया है। मामला स्टेशन रोड थाने का है। आरोपी ने सुबह व्यापारी के घर का दरवाजा खटखटाया। नाम से पुकारने पर जैसे ही व्यापारी ने दरवाजा खोला बदमाश ने गोली चला दी। घायल व्यापारी का नाम कृष्णकांत शुक्ला है, जो टीचर कॉलोनी रामनगर का रहने वाला है। शुक्ला के भाई दीपू शुक्ला ने बताया कि गांव के ही रहने वाले हरेंद्र शुक्ला पुत्र रामनिवास शुक्ला निवासी सिरमिती गांव से पुरानी दुश्मनी चली आ रही है।

मेट्रो एंकर | मोटर व्हीकल एक्ट और एग्रीगेटर गाइडलाइंस का उल्लंघन... एक्शन लेगी सरकार

परमिट के बिना ही दौड़ रही हैं बाइक टैक्सी, हाईकोर्ट ने अवैध ठहराया

भोपाल/इंदौर. एजेंसी

पूरे प्रदेश में बाइक टैक्सी के नाम पर चल रहे दोपहिया वाहनों पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि बाइक का पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तरह उपयोग गैरकानूनी है और यह सीधे तौर पर मोटर व्हीकल एक्ट और एग्रीगेटर गाइडलाइंस का उल्लंघन है।

दरअसल, ओला, उबर और रैपिडो जैसे एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म से जुड़े सैकड़ों दोपहिया वाहन प्रदेश के सभी बड़े शहरों की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ रहे हैं। इन वाहनों का उपयोग बिना वैध परमिट, आम जनता के परिवहन के लिए किया जा रहा है, जिसे हाई कोर्ट ने कानून के खिलाफ बताया है। मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने मोटर व्हीकल एक्ट-1988 के प्रासंगिक प्रावधानों पर विस्तार से विचार किया। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी दोपहिया वाहन को तब तक सार्वजनिक परिवहन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है, जब तक उसके पास वैध परमिट और निर्धारित नियमों का पालन न हो। दरअसल रैपिडो और ओला-ऊबर जैसी कंपनियों ने बड़ी संख्या में ऐसे दुपहिया वाहन चालकों को अपने साथ जोड़ लिया है जिन्होंने अपने निजी उपयोग के नाम पर वाहन खरीदे हैं। इन वाहनों का रजिस्ट्रेशन भी निजी रूप में ही होता है, टैक्सी में नहीं। जबकि इन कंपनियों से जुड़ने वाले चार पहिया वाहन टैक्सी कोटे में रजिस्टर होते हैं और इसी कोटे में टैक्स भरते हैं। इस फैसले के बाद भोपाल , इंदौर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं पर बड़ा असर पड़ना तय माना जा रहा है। परिवहन विभाग अब ऐसे सभी दोपहिया वाहनों की जांच कर सकता है, जो अवैध रूप से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की तरह इस्तेमाल हो रहे हैं। हाई कोर्ट के इस आदेश को सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

सुरक्षा से समझौता स्वीकार नहीं- कोर्ट

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि एग्रीगेटर कंपनियों को राज्य सरकार द्वारा जारी एग्रीगेटर गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करना अनिवार्य है। केवल मोबाइल एप के जरिए रजिस्ट्रेशन या बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और परिवहन विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और बिना परमिट चल रहे दोपहिया वाहनों पर सख्त कार्रवाई करें। कोर्ट ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में दायर जनहित याचिका का निराकरण कर दिया, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया कि भविष्य में नियमों की अनदेखी करने पर संबंधित एजेंसियों और एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

5 और 15 साल की उम्र होने पर बायोमेट्रिक्स कराना जरूरी

आधार संकट... 57 हजार बच्चों के बायोमेट्रिक अटके, छात्रवृत्ति-एडमिशन पर मंडराया खतरा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर में आधार बायोमैट्रिक अपडेट को लेकर इन दिनों भारी अफरा-तफरी का माहौल है। आंकड़ों के मुताबिक, करीब 57 हजार ऐसे बच्चे और किशोर हैं, जिन्होंने 5 और 15 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद भी अपना अनिवार्य बायोमैट्रिक अपडेट नहीं कराया है। अब स्कूल एडमिशन, छात्रवृत्ति और सरकारी योजनाओं के लिए आधार अनिवार्य होने पर अभिभावक केंद्रों की ओर दौड़ रहे हैं।

एसएमएस अलर्ट को किया नजरअंदाज

यूआईडीएआई पिछले तीन वर्षों से लगातार एसएमएस के जरिए अलर्ट भेज रहा था, लेकिन अधिकांश लोगों ने मोबाइल नंबर बदलने या जागरूकता की कमी के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया। अब अचानक बढ़ी भीड़ की वजह से आधार केंद्रों पर लंबी कतारें लग रही हैं और स्लॉट की भारी कमी हो गई है।

इसलिए जरूरी है अपडेटेशन

नियमों के अनुसार, आधार में दो बार अनिवार्य अपडेट कराना होता है - पहला 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर और दूसरा 15 वर्ष की आयु पर। छोटी उम्र में बने आधार में केवल फोटो और डेमोग्राफिक डेटा होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट) और आंखों की पुतलियों (आईरिस) के निशान बदल जाते हैं।

रुक सकती हैं जरूरी सेवा

यदि समय पर अपडेट नहीं कराया गया, तो ई-केवाईसी फेल हो सकता है। इससे छात्रवृत्ति रुकने, बैंकिंग लेनदेन में बाधा, बोर्ड परीक्षा रजिस्ट्रेशन, पैन-लिंकिंग और सिम वेरिफिकेशन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं पूरी तरह ठप हो सकती हैं।

आधार कहीं बेकार न हो जाए...

अगर आपके घर में 5 से 15 साल की उम्र का बच्चा है, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। UIDAI ने साफ कर दिया है कि बच्चों के आधार में बायोमेट्रिक अपडेट समय पर कराना जरूरी है। अब तक देशभर में 1 करोड़ से ज्यादा बच्चों का यह अपडेट पूरा किया जा चुका है। UIDAI का कहना है कि तय उम्र पर बायोमेट्रिक अपडेट नहीं होने की स्थिति में बच्चे का आधार आगे चलकर निष्क्रिय माना जा सकता है। इसका असर स्कूल में दाखिले, स्कॉलरशिप, परीक्षा फॉर्म, सरकारी योजनाओं और अन्य जरूरी सेवाओं पर पड़ सकता है। बच्चों के आधार के लिए दो अहम पड़ाव तय किए हैं- 5 साल और 15 साल की उम्र। इन दोनों चरणों में बायोमेट्रिक अपडेट अनिवार्य होता है। हाल ही में इस प्रस्रि5या को लेकर सख्ती दिखाई है और माता-पिता से नियमों का पालन करने की अपील की है। नियमों के मुताबिक बच्चों के लिए दो चरणों में बायोमेट्रिक अपडेट किया जाता है। पहला अपडेट 5 साल की उम्र में होता है।

प्रदेश की अपनी होगी की अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी

गरीब व मध्यम वर्ग के घर अब मप्र की नीति से बनेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में अब अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए केवल पीएम आवास योजना के नियमों पर निर्भर नहीं रहना होगा। छोटे-बड़े कस्बों और शहरों की जरूरत के अनुसार प्रदेश अपनी अलग नीति बनाएगा। स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर की मदद से इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है।

ड्राफ्ट बनने के बाद शासन से मंजूरी ली जाएगी। पीएमएवाई 2.0 के तहत राज्यों को अपनी नीति बनाने के निर्देश मिले हैं। इसके बाद बिल्डर संगठनों, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, विकास प्राधिकरण, नगर निगम और रेरा से चर्चा कर सुझाव जोड़े जाएंगे।

पीएमएवाई 2.0 में 45 वर्ग मी. तक आवास अनुमति

पीएम आवास योजना के पहले चरण में 30 वर्ग मीटर तक आवास बनाने का नियम था, जिसे दूसरे चरण में बढ़ाकर 45 वर्ग मीटर कर दिया गया है। इससे लागत बढ़ेगी, क्योंकि पहले चरण में 18 फीसदी जीएसटी नहीं था, जो बाद में जोड़ दिया गया। केंद्र के नियम सभी निकायों पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे जमीन महंगी हो या सस्ती। नई नीति में एफएआर में बदलाव के बिंदु भी शामिल होंगे। सुझावों के बाद सरकार शहरी आवास का डाटा कलेक्शन करेगी और बड़े शहरों में आसपास के गांव-कस्बों से हुए पलायन का आकलन होगा। जरूरत अनुसार डेवलपमेंट और रजिस्ट्री शुल्क में छूट दी जाएगी।

नए ड्राफ्ट से फंड जैसे कई फायदे मिलेंगे

आर्किटेक्ट और अर्बन प्लानर डॉ. विनय श्रीवास्तव ने कहा कि राज्य की खुद की नीति बनने से जमीनों और हितग्राहियों से जुड़े विवाद खत्म होंगे। राज्यों के लिए किफायती आवास की परिभाषा तय करना आसान होगा। जैसे मप्र में 6 से 12 लाख तक ये आवास बनते हैं तो महाराष्ट्र के बड़े शहरों में 15 से 25 लाख तक भी लिमिट है। किफायती आवासों को अमृत आदि योजनाओं से जोड़ेंगे।

दो विद्यार्थियों का ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो स्पर्धा के लिए चयन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के बीपीएस तृतीय सेमेस्टर के दो विद्यार्थियों का ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता के लिए पुरुष एवं महिला वर्ग में चयन हुआ है। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 22 मार्च तक चंडीगढ़ के मोहाली में होगा। इस राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे एसजीएसयू से चयनित खिलाड़ियों में अतेश चतुर्वेदी का चयन -73 किग्रा व जमना केवट का चयन -52 किग्रा में हुआ है। कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयन इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय में खेल और शिक्षा दोनों को समान महत्व दिया जाता है।

युवा मोर्चा का युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

केन्द्रीय बजट युवाओं के लिए नए अवसर, कौशल विकास और उद्यमिता के द्वार खोलता है- कृष्णा गौर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल द्वारा युवा शक्ति को सशक्त बनाने और विकसित भारत की नींव रखने के उद्देश्य से ओरिएंटल कॉलेज के ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को समर्पित था और इसमें युवाओं के बीच बजट 2026-27 के महत्व और उनके भविष्य पर पढ़ने वाले प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की असली ताकत है। यह बजट युवाओं के लिए नए अवसर, कौशल विकास और उद्यमिता के द्वार खोलता है। शिक्षा, रोजगार और नवाचार के माध्यम से ही हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। युवा अपने सपनों को बड़े लक्ष्य में

बदलें, अपने कौशल और प्रतिभा का उपयोग समाज और देश के विकास में करें और हर चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लें। हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाया जाए, और यह तभी संभव है जब युवा सक्रिय, सशक्त और जिम्मेदार बनें। पार्टी के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि दायित्वबोध, समन्वय, प्रवास और संवाद के माध्यम से ही संगठन और समाज मजबूत बन सकता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय विकास और समाज की प्रगति से जोड़ें। यही असली नेतृत्व की पहचान है। यति ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उन्हें अच्छी शिक्षा, नवीन अवसर और सही दिशा मिले, तो वे देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम युवाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करें, ताकि वे देश को सशक्त, आत्मनिर्भर और विश्व में सम्मानित स्थान दिला सकें। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वे अपने सपनों को बड़े लक्ष्य में बदलें और समाज एवं देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में ओरिएंटल कॉलेज के अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, राजकुमार विश्वकर्मा, बजट टोली के संयोजक शंकर मकोरिया, प्रवीण प्रेमचंदानी, योगेश परमार, मलखान सिंह राजपूत, विश्व विजय सिंह, जगदीश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

कमजोर छात्रों के लिए मैनिट में रेमेडियल कक्षाएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल में शैक्षणिक सुधार लागू किए हैं। इन सुधारों का उद्देश्य विद्यार्थियों को रटने वाली पढ़ाई से आगे बढ़ रचनात्मक सोच बहु विषयक अध्ययन और व्यवहारिक ज्ञान की ओर ले जाना है। संस्थान के अनुसार विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक लचीलापन मिलेगा। डीन एकेडमिक डॉ. शैलेंद्र जैन ने बताया विद्यार्थी दो सेमेस्टर तक भारत या विदेश के अन्य संस्थानों में पढ़ाई कर सकेंगे और वहां अर्जित क्रेडिट को मैनिट में जोड़ा जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को उद्योग से जोड़ने के लिए पाठ्यक्रम का कुछ हिस्सा इंडस्ट्री विशेषज्ञ पढ़ाएंगे। जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य अनुभव की समझ मिल सकेगी।

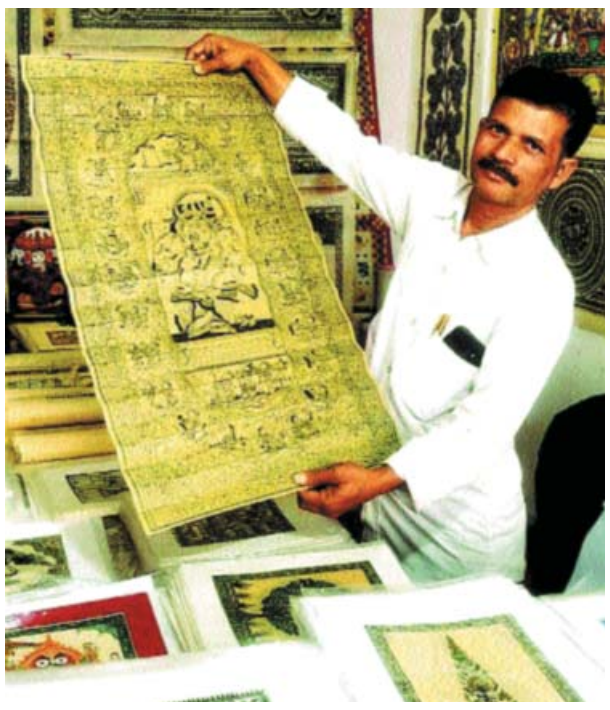

ताड़ के पत्तों पर उकेर दिए देवी-देवताओं के चित्र

समग्र उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से नई मशीन को स्थापित किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीएचईएल भोपाल के फीडर्स विभाग के प्रेस शॉप प्रभाग में एक समारोह में नई 8 टन स्लाटिंग प्रेस मशीन का शुभारंभ किया गया। इस दौरान रूपेश तैलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स, टीसीबी-विनिर्माण, वाणिज्य एवं अनुरक्षण), आशीष औरंगाबादकर, महाप्रबंधक (मानव संसाधन, एमओडी) तथा संतोष डोंगरे, महाप्रबंधक (फीडर्स) उपस्थित रहे। विभाग की

कार्यक्षमता और समग्र उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस नई मशीन को स्थापित किया गया है। इससे प्रेस शॉप में आईएमएम और ट्रैक्शन मोटरों की पंचिंग निर्माण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अधिकारियों के अनुसार, नई 8 टन स्लाटिंग प्रेस मशीन की उत्पादकता पुरानी मशीनों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है। मशीन के संचालन में सभी निर्धारित सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित किया गया है। कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ व मध्य स्तर के अधिकारी, कर्मचारी तथा यूनियन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। यह पहल बीएचईएल भोपाल इकाई में आधुनिकीकरण और उन्नत विनिर्माण क्षमता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एमबीबीएस छात्रा की मौत पर पीजी इंचार्ज का दावा

घर से लौटने पर कर रही थी सुसाइड की बातें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में एमबीबीएस की छात्रा रोशनी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव एक प्राइवेट पीजी के बाथरूम में मिला था। पास ही एसिड की बोतल भी पाई गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एसिड से मौत की पुष्टि हुई है।

बेटी का शव लेने आलीराजपुर से आए छात्रा के पिता वंतर सिंह ने बताया कि रोशनी पढ़ाई के दबाव में जरूर थी, लेकिन आत्महत्या जैसा कदम उठाएगी, इसकी कल्पना नहीं की थी। वह अच्छी डॉक्टर बनना चाहती थी। नीट परीक्षा में 400 से अधिक अंक लाकर खुद गांधी मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया था। दूसरी ओर जिस पीजी में छात्रा रहती थी, उसकी संचालक का दावा है कि रोशनी घर से लौटने के बाद दो दिन से सहेलियों से सुसाइड की बात

कर रही थी। सुबह जब वह कॉलेज जाने के लिए बाहर नहीं निकली तो साथ रहने वाली छात्राओं ने दरवाजा तोड़कर देखा। वह बेसुध हालत में थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं कॉलेज डीन ने भी पुष्टि की है कि पढ़ाई समझ नहीं आने से रोशनी तनाव में थी।

आलीराजपुर जिले के अकलवा गांव निवासी रोशनी के पिता वंतर सिंह कलेश ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे बेटी की हालत की जानकारी मिली। रोशनी कुछ दिनों से घर पर ही थी। वह दो बहनों में बड़ी थी। शनिवार को ही तो उसे आलीराजपुर से भोपाल के लिए ट्रेन में बैठाया था।

पढ़ाई का दबाव था, लेकिन हिम्मत वाली थी रोशनी

पिता वंतर सिंह ने कहा कि रोशनी ने पढ़ाई के स्ट्रेस का जिक्र जरूर किया था, लेकिन वह हमेशा यही कहती थी कि पापा, मैं पढ़ लूंगी। नीट परीक्षा में उसके 400 से ज्यादा अंक आए थे और उसने खुद गांधी मेडिकल कॉलेज का चयन किया था। वह शुरू से डॉक्टर बनना चाहती थी। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी मेहनत के दम पर आगे बढ़ेगी। रोशनी की मौत की खबर सुनकर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स जमा हो गए। जिस प्राइवेट पीजी में रोशनी रह रही थी, उसकी संचालक करुणा नायर ने बताया कि रोशनी का स्वभाव बेहद अच्छा था। वह हमेशा हंसते-खेलते रहती थी। सभी से अच्छे से बात करती थी। पीजी में हर जगह कैमरे लगे हैं, जिससे बच्चों की निगरानी की जाती है।

भोपाल हाट में जनजातीय भारत का आदि महोत्सव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत की जनजातीय कला संस्कृति और आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्राइफेड द्वारा आयोजित आदि महोत्सव का शुभारंभ भोपाल हाट में किया गया है, जिसका आयोजन 15 फरवरी तक होगा। इसमें देशभर से आए जनजातीय कारीगर अपने हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री कर रहे हैं, जिसमें करीब लगभग 60 स्टॉल लगाए गए हैं, जो पारंपरिक कला संस्कृति और उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं। महोत्सव में लोक नृत्य संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

एक पेंटिंग 12 दिन में होती है तैयार

ये ओडिशा की सोहरा पेंटिंग है. इसमें मैंने तीन तरह की पेंटिंग्स बनाई है। पहली शिल्क के कपड़े पर एक्रेलिक रंगों से बनाई है, दूसरी प्राकृतिक रंगों से कृष्ण जी के जीवन पर आधारित चित्र बनाया है और तीसरी ताड़ के पत्तों पर मैंने कई देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। पहले ताड़ के पत्तों को जोड़ा है, फिर इस पर नक्काशी की है। इसके बाद उसमें रंग भरे। एक पेंटिंग तैयार करने में पांच दिन से लेकर बारह दिन तक का समय लगता है।

कपड़े से बनाई पारंपरिक पोटली

मेरे पास बंजारा जनजातीय ज्वेलरी हैं जो पारंपरिक डिजाइन पर आधारित है। इसमें पेंडेंट, ब्रेसलेट, पायल, नोज पिन और हार जैसे उत्पाद शामिल हैं। साथ ही हाथ से बनी पोटली है, इसका उपयोग गुजरे जमाने में विवाह के दौरान दूल्हन को देने के लिये किया जाता था। फिलहाल इसे फैशन के तौर पर महिलायें फोन और जरूरी सामान के लिये भी करती हैं।

मेट्रो एंकर | नाटक 'विट्ठल आला रे' से दिखावे की भक्ति पर किया करारा व्यंग्य

यदि भगवान सामने आ जाएं तो मनुष्य पहचानेगा नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भक्ति और आस्था के नाम पर बढ़ते दिखावे पर करारा प्रहार करता नाटक विठ्ठल आला रे दर्शकों को हंसाते हुए गहरी सोच में डाल गया। नाटक के माध्यम से समाज में धार्मिकता के नाम पर चल रहे दिखावे और फूहड़ता को बड़ी ही सहजता और अलग अलग व्यवसाय में कार्यरत किरदारों से दिखाया गया है।

नाटक का मूल संदेश यह रहा कि यदि भगवान वास्तव में मनुष्य के सामने आ जाएं तो भी मनुष्य उन्हें पहचानने और स्वीकार करने में संकोच करेगा। नाटक का मंचन लिटिल बैलेट ट्रूप में हुआ, जिसका निर्देशन अनूप शर्मा और लेखन पुरुषोत्तम देश पाण्डेय ने किया। कहानी एक गांव के मंदिर से शुरू होती है। जहां अलग अलग पेशे से जुड़े लोग अपनी अपनी मनोकामनाएं लेकर भगवान के सामने पहुंचते हैं। इसी दौरान भगवान अप्रत्यक्ष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं, लेकिन लोग इसे समझ नहीं पाते और एक दूसरे पर शक करते रहते हैं। नाटक में एक नेत्रहीन व्यक्ति भगवान की आवाज पहचान लेता है, लेकिन कोई उसकी बात नहीं मानता। जब भगवान प्रत्यक्ष रूप से दर्शन देते हैं तो लोगों को अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां समझ में आती हैं। नाटक का सबसे मार्मिक दृश्य तब सामने आता है जब भगवान नेत्रहीन को आंखें देते हैं लेकिन वह अपनी मजबूरी बताकर आंखें वापस लेने की गुजारिश करता है। नाटक की कथा हास्य और व्यंग के माध्यम से दर्शकों को बताती है कि सच्ची आस्था दिखावे से नहीं बल्कि आचरण से बनती है। साथ ही यह भी बताती है कि ईश्वर को समझना और आध्यात्मिक स्तर को प्राप्त करना आसान नहीं है।

बूथ से जिले तक भाजपा संगठन की मजबूती पर जोर, खंडेलवाल बोले-

संगठन को मजबूती देने के लिए जिले में ही नाइट हॉल्ट करें प्रभारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा है कि संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों को निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाना ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर पर सशक्त बनाने में संभाग और जिला प्रभारियों की भूमिका बेहद अहम है, जो आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संभाग एवं जिला प्रभारियों की बैठक को संबोधित करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि प्रत्येक जिला प्रभारी को संभाग प्रभारियों के साथ निरंतर संवाद और समन्वय बनाकर संगठनात्मक गतिविधियों को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला प्रभारी अपने प्रभार वाले जिलों में नियमित साप्ताहिक प्रवास और रात्रि विश्राम करें, ताकि संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद मजबूत हो सके।

उन्होंने कहा कि आगामी समय में प्रदेश में लगातार चुनाव होंगे और संगठन की मजबूती तभी सुनिश्चित होगी, जब जिला और विधानसभा स्तर पर संगठन का नेटवर्क मजबूत रहेगा। चुनाव के समय संगठन का फोकस जिले और विधानसभा पर होता है, इसलिए प्रत्येक जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने पारदर्शिता, अनुशासन और समन्वय को संगठनात्मक कार्यों की आधारशिला बताया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि किसी भी दायित्व को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उसकी स्पष्टता आवश्यक है। जिला प्रभारियों को अपने-अपने जिलों के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक पहलुओं का गहन अध्ययन करना चाहिए और निरंतर प्रवास के माध्यम से संगठन को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार कार्य विभाजन है और मंडल, शक्ति केंद्र तथा बूथ स्तर तक दायित्व तय होना चाहिए।

प्रबुद्धजनों से नियमित संवाद करें प्रभारी

जामवाल ने कहा कि प्रभारी को कोर ग्रुप, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समाज के प्रबुद्धजनों से नियमित संवाद बनाए रखना चाहिए, जिससे संगठन को जमीनी फीडबैक मिलता है और सामाजिक समन्वय मजबूत होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज हुई है। डबल इंजन सरकार के कारण विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने और आजीवन सहयोग निधि को लेकर भी चर्चा की।

मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के निर्देश

कृषक कल्याण वर्ष में मत्स्य पालकों की आर्थिक समृद्धि की कोशिश

प्रदेश में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए ठोस योजना बनाएं विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के सभी किसानों और मछुआरों की आर्थिक समृद्धि के लिए संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है, इसके साथ हमें मत्स्य उत्पादन में भी सक्रियता से कार्य कर आने वाले वर्षों में इसे दोगुना करने की दिशा में काम करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रदेश में मछली पालन के साथ ही एक्वाकल्चर के क्षेत्र में भी कार्य किया जाए। प्रदेश में ऐसा इको सिस्टम तैयार किया जाए, जिससे मछुआरों का आर्थिक सशक्तिकरण हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को समर्पित करते हुए यह वर्ष मना रही है। मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। मछुआ सम्मेलन आयोजित कर मत्स्य पालन में बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। सीड प्रोडक्शन में विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की दिशा में मध्यप्रदेश केज कल्चर नीति पर कार्य किया जा रहा है। इसमें 10 हजार केज हितग्राही मूलक योजना के अंतर्गत तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के विषय में भी अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक में भोपाल में बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। प्रदेश में संचालित मत्स्य महासंघ के सुव्यवस्थित उपयोग के लिए भी कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि कम भू-जल स्तर वाले जिलों में फॉर्म पॉन्ड मॉडल के माध्यम से मत्स्य उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए एक जिले को मॉडल के रूप में तैयार किया जाए, जिसमें मत्स्य उत्पादन के साथ ही सिंघाड़ा, कमल गट्टा, मखाना सहित अन्य एक्वाकल्चर आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए।

संभागवार मछली घर बनाने के भी दिए आदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की दिशा में मध्यप्रदेश केज कल्चर नीति पर कार्य किया जा रहा है। इसमें 10 हजार केज हितग्राही मूलक योजना के अंतर्गत तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के विषय में भी अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी। बैठक में भोपाल में प्रस्तावित विशेष प्रोजेक्ट इंटीग्रेडेट एक्वा पार्क एंड रिसर्च सेंटर की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संभाग स्तर पर मछली घर तैयार करने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में अनुसंधान केन्द्र का भी हुआ रिव्यू

मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के विभागीय योजनाओं की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत विशेष प्रोजेक्ट, केज कल्चर इंदिरा सागर जलाशय, टेक्नोलॉजी डिफ्यूशन सेंटर, रिजर्वायर कलस्टर आधारित मत्स्य पालन और समन्वित मछली घर एवं अनुसंधान केंद्र का बैठक में रिव्यू किया। इस अवसर पर मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई एवं अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मप्र बजट सत्र से पहले कांग्रेस बनाएगी रणनीति

सिंघार 16 को विधायकों के साथ करेंगे अहम बैठक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी को भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है, जिसमें बजट सत्र के दौरान भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति और रूपरेखा तय की जाएगी।भोपाल स्थित 74 बंगला के बी-12 (ए) में शाम 7:30 बजे होने वाली इस बैठक में कांग्रेस विधायक प्रदेश से जुड़े जनहित के बड़े मुद्दों पर मंथन करेंगे। उमंग सिंघार ने साफ किया है कि कांग्रेस बजट सत्र में भाजपा सरकार की नाकामियों को पूरी मजबूती से विधानसभा में उठाएगी और हर सवाल पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि बैठक में बेतहाशा कर्ज, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतें, किसानों का समर्थन मूल्य, ओलावृष्टि से फसल नुकसान, युवाओं का रोजगार, आदिवासी-दलितों पर बढ़ते अत्याचार और प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस इन मुद्दों को विधानसभा में हथियार बनाकर सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी।

हंगामेदार रहने के आसार

16 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ सत्र की शुरुआत होगी। इसके बाद सरकार अनुपूरक बजट, मुख्य बजट और कई अहम विधेयक सदन में पेश करेगी। वहीं विपक्ष भी कानून-व्यवस्था, एंबुलेंस सेवाओं की बदहाली, बेरोजगारी और जनहित के अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर चुका है। करीब 19 दिनों तक चलने वाला यह बजट सत्र काफी गहमागहमी भरा रहने की उम्मीद है। सत्ता पक्ष की घोषणाओं और विपक्ष के तीखे सवालों के बीच विधानसभा में तेज सियासी टकराव देखने को मिल सकता है।

बजट होगा सबसे खास आकर्षण

इस सत्र का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट होगा। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार इस बार महिलाओं और युवाओं को साधने के लिए बजट में बड़ी घोषणाएं कर सकती है। खास तौर पर लाडली बहना योजना के लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किए जाने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले साल के 18,669 करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा होगा। इसके अलावा लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं के स्वरोजगार से जुड़ी नई योजनाएं और घोषणाएं भी बजट का हिस्सा हो सकती हैं।

304.44 करोड़ रुपए के कारम डैम घोटाले की रिपोर्ट पेश

5 इंजीनियरों का काम गैर जिम्मेदाराना, सीई अधीक्षण यंत्री समेत पांच इंजीनियर दोषी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कारम डैम घोटाले के लिए पांच इंजीनियर जिम्मेदार पाए गए हैं, जबकि तीन इंजीनियरों को साक्ष्यों के अभाव में आरोपों से मुक्त किया गया है। जल संसाधन विभाग के सचिव जॉन किंग्सली एआर की 350 पेज की जांच रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। 304.44 करोड़ की लागत वाले कारम डैम घोटाले की साढ़े तीन साल तक चली जांच के बाद पेश की गई रिपोर्ट में जिन पांच इंजीनियरों को डैम फूटने के लिए जिम्मेदार पाया गया है, उनके विरुद्ध जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा 17 फरवरी को सुनवाई की जाएगी। इस डैम को बनाने की जिम्मेदारी एएनएस कंसट्रक्शन नई दिल्ली को सौंपी गई थी। जल संसाधन विभाग के सचिव जॉन किंग्सली एआर की रिपोर्ट में कहा है कि विभागीय जांच के अंतर्गत उपलब्ध साक्ष्यों, साक्षियों के बयान, आरोपियों द्वारा पेश बचाव के दस्तावेज और अन्य तथ्यों के परीक्षण के बाद यह बात सामने आई है कि प्रभारी मुख्य अभियंता नर्मदा ताप्ती कछार सीएस घटोले, पी जोशी तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मंडल धार, बीएल निनामा तत्कालीन कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग एक धार, विकार अहमद सिद्दीकी तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग धामनोद और विजय कुमार जत्थाप तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद पर कारम डैम फूटने को लेकर लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए हैं। इसके अलावा राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद को विभागीय जांच से मुक्त किया गया है। साथ ही अशोक कुमार राम तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद और आरोप साबित नहीं हो पाए वहीं दशवंता सिसोदिया तत्कालीन उपयंत्री जल संसाधन उपसंभाग धामनोद पर भी आरोप प्रमाणित नहीं पाए गए।

सीबीएसई का बड़ा फैसला, 12वीं के लिए ओएसएम सिस्टम लागू...

ऑन स्क्रीन मार्किंग से जल्द आएगा रिजल्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अपनी मूल्यांकन प्रक्रिया में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए 12वीं कक्षा के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (OSM) सिस्टम लागू करने की घोषणा की है। आगामी सत्र से प्रभावी होने वाली इस डिजिटल जांच प्रणाली का मुख्य उद्देश्य मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी, सटीक और तीव्र बनाना है। हालांकि, कक्षा 10वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन फिलहाल पारंपरिक भौतिक तरीके से ही जारी रहेगा। इस बदलाव से शिक्षकों की कार्यशैली और छात्रों के उत्तर लिखने के तरीके पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा।शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में सीबीएसई ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब 12वीं के छात्रों की मेहनत का मूल्यांकन शिक्षक भौतिक रूप से नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन पर डिजिटल माध्यम से करेंगे। बोर्ड के अनुसार, ऑन स्क्रीन मार्किंग से मानवीय भूलों, विशेषकर अंकों को जोड़ने (टोटलिंग) की गलतियों की संभावना शून्य हो जाएगी। लॉगिन और लॉगआउट का समय स्वतः दर्ज होने से मूल्यांकन प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी जा सकेगी। इससे न केवल परिणाम तैयार करने की गति बढ़ेगी, बल्कि कॉपियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने-ले जाने में होने वाले जोखिम और समय की बर्बादी भी कम होगी। बोर्ड का मानना है कि इस व्यवस्था से व्यक्तिगत पक्षपात की संभावना भी न्यूनतम हो जाएगी।

उत्तर पुस्तिका के प्रारूप में बदलाव

डिजिटल मूल्यांकन को सुगम बनाने के लिए उत्तर पुस्तिका के स्ट्रक्चर में भी बदलाव किए गए हैं। विशेषकर विज्ञान संकाय की कापियों को अब भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के अलग-अलग सेक्शन में विभाजित किया गया है। छात्रों के लिए अब यह अनिवार्य होगा कि वे संबंधित विषय का उत्तर उसी के लिए निर्धारित सेक्शन में लिखें। यदि कोई छात्र गलत सेक्शन में उत्तर लिखता है, तो उसे जांच प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा। यह नियम इसलिए बनाया गया है ताकि डिजिटल जांच के दौरान परीक्षक को उत्तर ढूंढने में कोई तकनीकी समस्या न हो।

तकनीकी चुनौतियां और समाधान

इंदौर के सरदार पटेल स्कूल के विशेषज्ञ योगेंद्र दुबे का कहना है कि यह कदम स्वागत योग्य है, लेकिन शुरुआत में शिक्षकों को कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं। धुंधली इमेज, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन में त्रुटि या इनपुट डिवाइसेस की खराबी जैसी तकनीकी बाधाएं चुनौती पेश कर सकती हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए सीबीएसई ने शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी सहायता टीम की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है, ताकि नई प्रणाली को बिना किसी बाधा के लागू किया जा सके। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि यह डिजिटल व्यवस्था अभी केवल 12वीं कक्षा के लिए है। 10वीं कक्षा के छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले की तरह भौतिक रूप में ही किया जाएगा। बोर्ड चरणबद्ध तरीके से इस प्रणाली को आगे बढ़ाने पर विचार कर सकता है।

मध्य प्रदेश विधानसभा होगी डिजिटल

बजट सत्र से विधायकों की मेज पर दिखाई देंगे टैबलेट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के कामकाज को डिजिटल बनाने की दिशा में नया कदम उठाया जा रहा है। आगामी बजट सत्र से विधायकों की मेज पर टैबलेट रखे जाएंगे। यह व्यवस्था राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन के तहत लागू की जा रही है। शुरुआत में विधायकों को टैबलेट के जरिए बजट से जुड़े दस्तावेज देखने की सुविधा मिलेगी। हालांकि, टैबलेट का पूरा उपयोग बाद के सत्रों में किया जाएगा, क्योंकि अधिकांश विधायकों को इसके इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। अधिकारियों ने बताया कि विधायकों की मेज पर टैबलेट लगाने के लिए बिजली कनेक्शन का काम पूरा हो चुका है और बजट सत्र से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। बता दें, कि देश के कई राज्यों में पहले ही यह व्यवस्था लागू हो चुकी है। इससे कागज की खपत कम होगी और विधानसभा का कामकाज तेज, आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनेगा।

प्रशिक्षण भी दिया जाएगा

विधानसभा अधिकारियों के अनुसार, बजट सत्र के बाद विधायकों को टैबलेट चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विधानसभा के कामकाज में टैबलेट का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

मेट्रो एंकर | 52वां खजुराहो नृत्य समारोह 20 से, मंदिरों की नगरी में गूंजेंगे शास्त्रीय सुर

पहली बार दिखेगी सांस्कृतिक रैली और भव्य कार्निवाल की झलक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अपर मुख्य सचिव संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मध्यप्रदेश की पावन धरा कला और संस्कृति की सुगंध एक बार फिर विश्व पटल पर बिखरने को तैयार है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में से एक खजुराहो नृत्य समारोह के 52वें संस्करण का भव्य आयोजन 20 से 26 फरवरी, 2026 तक किया जा रहा है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के सुप्रसिद्ध पश्चिमी मंदिर समूह परिसर की गौरवशाली पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला यह समारोह इस वर्ष भी अपनी उत्कृष्ट नृत्य प्रस्तुतियों, नवाचारों और नवीन आयामों के साथ कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक-परंपराओं और शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण और प्रसार के लिए निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग का लक्ष्य इस जीवंत परंपरा को जन-जन तक पहुँचाकर मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊचाइयां प्रदान करना है।

खजुराहो नृत्य समारोह वास्तव में भारतीय शास्त्रीय नृत्य परंपरा की वह जीवंत साधना है, जहाँ इतिहास, अध्यात्म और सौंदर्य के अद्भुत संगम का शाहकार होता है। भव्य मंदिरों के प्रांगण में आयोजित यह समारोह नृत्य को केवल एक मंचीय प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक पवित्र सांस्कृतिक अनुष्ठान के रूप में प्रतिष्ठित करता है। इस वर्ष समारोह की केंद्रीय थीम 'नटराज' रखी गई है, जो भारतीय नृत्य की आध्यात्मिक चेतना, लयबद्धता और सृजनात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है।

समारोह में देखने को मिलेगा नवाचार

इस वर्ष समारोह में कई नवाचार देखने को मिलेंगे। पहली बार खजुराहो की सड़कों पर एक सांस्कृतिक रैली का आयोजन किया जाएगा, जो 20 फरवरी को समारोह के शुभारंभ के साथ निकलेगी। इस रैली में विभिन्न विधाओं के कलाकार पारंपरिक वेशभूषा में नगर भ्रमण करते हुए मुख्य कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। राष्ट्रीय खजुराहो बाल नृत्य महोत्सव को भी अब राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया गया है। 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बाल कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव हेतु देश के 23 राज्यों से 310 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें कथक के 136 और भरतनाट्यम के 106 आवेदन शामिल हैं। इन नन्हें कलाकारों का चयन वरिष्ठ कला गुरुओं द्वारा किया जाएगा।

व्यवस्था और विकल्प

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच का ताजा फैसला प्रदेश की सड़कों पर दौड़ रही उस व्यवस्था पर करारा तमाचा है, जो वर्षों से कानून की आंखों में धूल झोंककर फल-फूल रही थी। निजी बाइक और कारों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में इस्तेमाल करने पर लगी रोक केवल एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि उस अराजकता पर ब्रेक है, जिसने सुविधा के नाम पर सुरक्षा और नियमों को हाशिये पर धकेल दिया था। ओला, उबर, रैपिडो जैसी कंपनियों की कार्यप्रणाली पर अदालत की सख्त टिप्पणी ने यह साफ कर दिया है कि तकनीक और कारोबार की आड़ में कानून को ताक पर रखना अब स्वीकार्य नहीं। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इंदौर, भोपाल जैसे शहरों की धड़कन बन चुकी ये सेवाएं हर गली, हर चौराहे पर दिखती हैं। आफिस जाने की जल्दी, कॉलेज पहुंचने की हड़बड़ी और चंद अतिरिक्त पैसों की चाहत- इन तीनों ने मिलकर एक समानांतर परिवहन तंत्र खड़ा कर दिया, जो दिखने में सुविधाजनक, पर भीतर से असुरक्षित था। सवाल उठता है कि क्या हमारी सहूलियत इतनी बड़ी हो गई थी कि हमने सुरक्षा और कानून दोनों से समझौता कर लिया? कोर्ट ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66 का हवाला देते हुए राज्य सरकार और परिवहन विभाग को आईना दिखाया है। बिना परमिट और कमर्शियल लाइसेंस के यात्रियों को ढोना सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि हर सफर को जोखिम में डालना है। एक हादसा, एक लापरवाही और एक चूकऔर पूरी व्यवस्था की पोल खुल जाती है। फिर भी अब तक यह खेल खुलेआम चलता रहा, मानो कानून सिर्फ कागजों तक सीमित हो। लेकिन इस आदेश का दूसरा पहलू और भी गंभीर है। यह सवाल सरकार से है- क्या प्रदेश का सार्वजनिक परिवहन इतना सक्षम है कि वह लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी कर सके? यदि नहीं, तो विकल्प क्यों पनपते रहे? बसें कम, समय अनिश्चित, भीड़ बेहिसाब और सुरक्षा अधूरी- इन खामियों ने लोगों को ऐप आधारित सेवाओं की ओर धकेला। दोष सिर्फ कंपनियों का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का भी है, जिसने विकल्प देने में चूक की। हाईकोर्ट का यह आदेश एक चेतावनी है और एक अवसर भी। चेतावनी इस अराजकता को खत्म करने की, और अवसर एक सुरक्षित, संगठित व आधुनिक शहरी परिवहन तंत्र गढ़ने का। अब गेंद सरकार के पाले में है- या तो वह इस फैसले को सुधार की शुरुआत बनाए, या फिर इसे भी बाकी आदेशों की तरह समय की धूल में खो जाने दे। फैसला चाहे जो हो, असर सीधे आम आदमी की जिंदगी और उसकी हर रोज की यात्रा पर पड़ेगा।

पुण्यतिथि पर विशेष

दीनदयाल उपाध्याय : एकात्म मानववाद के प्रणेता विचारक, अर्थशास्त्री और पत्रकार

हर्षवर्धन पांडे
स्तंभकार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक भारतीय विचारक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, लेखक, पत्रकार, संपादक थे। भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष भी एक दौर में रहे। ब्रिटिश शासन के दौरान इन्होंने भारत द्वारा पश्चिमी धर्म निरपेक्षता का विरोध किया। उन्होनें लोकतंत्र की अवधारणा को सरलता से स्वीकार किया लेकिन पश्चिमी कुलीनतंत्र, शोषण और पूंजीवादी मानने से साफ़ इंकार कर दिया। पंडित जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन जनता की सेवा में लगा दिया। भारतीय पत्रकारिता ने सदैव राष्ट्रवाद को पल्लवित करने का निर्वहन किया है। पत्रकारिता में राष्ट्रवादी स्वर को गति देने वाले पत्रकारों में पं. दीनदयाल उपाध्याय का नाम आदर के साथ लिया जाता है। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं ने पत्रकारिता के प्रभावों का उपयोग अपने देश को स्वतंत्रता दिलाकर राष्ट्र के पुनर्निमाण के लिए किया। विशेषकर हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषायी पत्रकारों में खोजने पर भी ऐसा सम्पादक शायद ही मिले जिसने अर्थोपार्जन के लिए पत्रकारिता का अवलम्बन किया हो।

दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर, 1916, नगला चन्द्रभान, मथुरा, उत्तर प्रदेश में एक मध्यम वर्गीय प्रतिष्ठित हिंदू परिवार में हुआ था। उनके परदादा का नाम पंडित हरिराम उपाध्याय था, जो एक प्रख्यात ज्योतिषी थे। उनके पिता का नाम श्री भगवती प्रसाद उपाध्याय तथा मां का नाम रामप्यारी था। उनके पिता जलेसर में सहायक स्टेशन मास्टर के रूप में कार्यरत थे। दीनदयाल ने कम उम्र में ही अनेक उतार-चढ़ाव देखा, परंतु अपने दृढ़ निश्चय से जिन्दगी में आगे बढ़े। उन्होंने सीकर से हाईस्कूल की परीक्षा पास की जन्म से बुद्धिमान और उज्ज्वल प्रतिभा के धनी दीनदयाल को स्कूल और कालेज में अध्ययन के दौरान कई स्वर्ण पदक और प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए। दीनदयाल इण्टरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935 में पिलानी चले गए। 1937 में इण्टरमीडिएट बोर्ड के परीक्षा में बैठे और न केवल समस्त बोर्ड में सर्वप्रथम रहे वरन सब विषयों में विशेष योग्यता के अंक प्राप्त किए। बिडला कॉलेज का यह प्रथम छात्र था, जिसने इतने सम्मानजनक अंको से परीक्षा पास की थी। सीकर महाराजा के समान ही घनश्याम दास बिड़ला ने एक स्वर्ण पदक, 10रू मासिक छात्रवृत्ति तथा पुस्तकों आदि के खर्च के लिए 250 रू प्रदान किए। सन 1939 में सनातन धर्म कॉलेज, कानपुर से प्रथम श्रेणी में बी.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की। एम.ए. अंग्रेजी साहित्य में करने के लिए सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा में प्रवेश लिया। इसके पश्चात उन्होंने सिविल सेवा की परीक्षा पास की लेकिन आम जनता की सेवा की खातिर उन्होंने इसका परित्याग कर दिया। दीनदयाल उपाध्याय की पत्रकारिता में भी अग्रणी भूमिका रही है। अपने राष्ट्रवाद के विचारों को जनमानस तक प्रेषित करने के लिए दीनदयाल उपाध्याय ने पत्रकारिता को माध्यम बनाया था। पत्रकारिता किस प्रकार से जनमत निर्माण करने में सहायक होती है, यह दीनदयाल जी ने बखूबी समझा था। एकात्म मानववाद के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय ने गांधी के विचार को पुनःव्याख्यायित करते हुए अंत्योदय की बात की। दीनदयाल जी ने राष्ट्रहित व चिंतन के विचारों को पत्रकारिता के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक कुशल पत्रकार और बेहतर संचारक थे। अपनी विचारधारा को पुष्ट करने के लिए पत्रों

का संपादन, प्रकाशन, स्तंभ लेखन, पुस्तक लेखन उनकी रुचि का विषय था। उन्होंने लिखने के साथ-साथ बोलकर भी एक प्रभावी संचारक की भूमिका का निर्वहन किया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने लोक कल्याण को ही पत्रकारिता का प्रमुख आधार माना। दीनदयाल के पास समाचारों का न्यायवादी एवं समन्वयवादी दृष्टिकोण था। उनके लेखों, उपन्यासों व नियमित कॉलमों में निष्पक्ष आलोचना, उचित शब्दों का प्रयोग और सत्यपरक खबरों को ही मानवता के अनुकूल मिलता है। राष्ट्र भक्ति को पल्लवित करने की भावना को साकार स्वरूप देने का श्रेय उंनकी पत्रकारिता को भी जाता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय को साहित्य से एक अलग ही लगाव था शायद इसलिए दीनदयाल उपाध्याय अपनी तमाम ज़िन्दगी साहित्य से जुड़े रहे। उनके हिंदी और अंग्रेजी के लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते थे। साहित्य से लगाव इतना की उन्होंने केवल एक बैठक में ही चंद्रगुप्त नाटक लिख डाला था। भारत विभाजन के दौर में भयानक रक्तपात हुआ। देश, भारत को एक राष्ट्र मानने तथा भारत को द्विराष्ट्र मानने वाले में बंट गया। इसी हिंसाचार ने महात्मा गांधी को भी लील लिया। उनकी जघन्य हत्या हुई। देश के विभाजन की विभीषिका ने दीनदयाल जी को बहुत आहत किया। उन्होनें इस पर प्रखरतापूर्वक अपना पक्ष रखा। पंडित दीनदयाल के अनुसार अखण्ड भारत देश की भौगोलिक एकता का ही परिचायक नहीं अपितु जीवन के भारतीय दृष्टिकोण का परिचायक है जो अनेकता में एकता का दर्शन करता है। अतः हमारे लिए अखण्ड भारत राजनैतिक नारा नहीं है, बल्कि यह तो हमारे संपूर्ण जीवनदर्शन का मूलाधार है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा एकात्म मानववाद का विकल्प एवं अंत्योदय का विचार उस कालखंड में दिया गया जब देश में समाजवाद, साम्यवाद जैसी आयातित विचारधाराओं का बोलबाला था। भारत में भारतीयता को पुनर्जीवित करने वाली विचारधारा की बजाय समाजवाद एवं साम्यवाद जैसी आयातित विचारधाराओं का बोलबाला होना भारतीयता के लिए अनुकूल नहीं था। पंडित जी ने भारत की समस्या को भारत के सन्दर्भों में समझकर उसका भारतीयता के अनुकूल समाधान देने की दिशा में एक युगानुकुल प्रयास किया। दीनदयाल जी ने अपने चिन्तन में आम मानव से जुड़ी जिन चिंताओं और समाधानों को समझाने का प्रयास आज से दशकों पहले किया था। सही मायनों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पत्रकारिता को भी इसी दृष्टि से एक नई दिशा दी। वे स्वयं कभी संपादक या औपचारिक संवादाता नहीं रहे। उन्होंने संपादकों और संवाददाताओं का सुखद सानिध्य प्राप्त किया। तभी संपादक व पत्रकार उन्हें सहज ही अपना मित्र एवं मार्गदर्शक मानते थे। पत्रकार के नाते पंडित जी का योगदान अनुकरणीय था। दीनदयाल जी उस युग की पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करते थे जब पत्रकारिता एक मिशन होने के कारण आदर्श थी व्यवसाय नहीं थी। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं ने पत्रकारिता के प्रभावों का उपयोग अपने देश को स्वतंत्रता दिलाकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए किया। ऐसा सम्पादक शायद ही मिले जिसने अर्थोपार्जन के लिए पत्रकारिता का अवलंबन किया हो। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि पत्रकारिता करते समय राष्ट्र हित को सर्वोपरि मानना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और स्वदेश के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में जो मूल्य और मानदंड स्थापित किया उसकी दूसरी मिसाल देखने को नहीं मिलती। दीनदयाल उपाध्याय का पत्रकारीय चिंतन राष्ट्रवादी और भारतीय जीवन मूल्यों की विचारधारा से जुड़ता है। पत्रकारिता के आधार पर उन्होंने राष्ट्र को समझने तथा भारतीय अस्मिता को लोगों तक पहुंचाने का गंभीर प्रयास किया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

संसद का बजट सत्र ठप, कांग्रेस को अपनी भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

संसद का बजट सत्र देश की आर्थिक दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण मंच होता है, लेकिन जब यही मंच हंगामे, नारेबाजी और रणनीतिक अवरोध का अखाड़ा बन जाए, तो सवाल सिर्फ कार्यवाही के ठप होने का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के क्षरण का भी उठता है। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस, प्रश्नकाल का बार-बार स्थगन और विपक्ष का निरंतर विरोध, इसी चिंता को गहरा करता है। इस पूरे परिदृश्य में कांग्रेस की भूमिका पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है।

लोकसभा में विपक्ष का अधिकार बहस करना, सवाल उठाना और सरकार को जवाबदेह ठहराना है। यह अधिकार संविधान और संसदीय परंपराओं से सुरक्षित है। लेकिन जब यह अधिकार सदन को चलने ही न देने की जिद में बदल जाए, तो वह लोकतंत्र की मजबूती के बजाय उसकी कमजोरी का संकेत बन जाता है। बजट सत्र

के लगातार दिनों तक बाधित रहने से आम जनता के मुद्दे, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और विकास से जुड़े सवाल पीछे छूट जाते हैं। कांग्रेस, जो स्वयं को लोकतंत्र की प्रहरी बताती है, यदि उसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करती दिखे, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना कोई असाधारण बात नहीं है। संसदीय इतिहास में यह प्रक्रिया पहले भी अपनाई गई है। लेकिन इस कदम का औचित्य तभी बनता है, जब यह संसदीय मर्यादा और ठोस तर्कों के साथ उठाया जाए। मौजूदा मामले में विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं और विपक्षी नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा। यदि यह सच है, तो इसका समाधान भी संसदीय संवाद और नियमों के तहत होना चाहिए। सदन के भीतर नारेबाजी, वेल में आकर हंगामा और बार-बार कार्यवाही ठप कराना, किसी भी तरह से समाधान नहीं है।

कांग्रेस का रवैया यहां विरोध से अधिक टकराव का नजर आता है। राहुल गांधी को बोलने देने की मांग को लेकर पूरा सत्र बाधित करना, जबकि देश की आर्थिक नीतियों पर चर्चा लंबित हो, यह दर्शाता है कि पार्टी प्राथमिकताओं को लेकर भ्रमित है। लोकतंत्र में व्यक्ति से बड़ा संस्थान होता है। संसद किसी एक नेता का मंच नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की आवाज का प्रतिनिधि सदन है। यदि किसी नेता को बोलने में आपत्ति है, तो उसके लिए नियम, अध्यक्ष और संसदीय समितियां मौजूद हैं। सत्र को ही ठप कर देना, लोकतांत्रिक दबाव नहीं, बल्कि राजनीतिक हठधर्मिता है। कांग्रेस का इतिहास बताता है कि जब वह सत्ता में रही, तब विपक्ष की आवाज को दबाने के आरोप उस पर भी लगे। ऐसे में आज नैतिक ऊंचाई का दावा करना, बिना आत्मालोचना के, खोखला लगता है। संसदीय परंपराएं दोतरफा जिम्मेदारी मांगती हैं। सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए, लेकिन विपक्ष का भी कर्तव्य है कि वह सदन की गरिमा बनाए रखे। हाथ जोड़कर बजट पर चर्चा की अपील करना किसी मंत्री की कमजोरी नहीं, बल्कि संसदीय परंपरा को बचाने का प्रयास है। इसके बावजूद हंगामा जारी रहना, कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को उजागर करता है।

स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी कांग्रेस की रणनीति अस्पष्ट दिखती है। एक ओर प्रस्ताव का नोटिस दिया जाता है, दूसरी ओर प्रमुख नेता खुद उस पर हस्ताक्षर नहीं करते। यह दोहरा संदेश पार्टी की आंतरिक असमंजस को दर्शाता है। यदि स्पीकर सचमुच पक्षपात कर रहे हैं, तो पार्टी को एकजुट और स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए था। लेकिन यहां यह कदम अधिक प्रतीकात्मक विरोध जैसा प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव बनाना है। संसद में महिला सांसदों के साथ हुई घटनाओं, बैनर और पोस्टर की राजनीति, और पुस्तक विवाद जैसे मुद्दों को जिस तरह तूल दिया गया, उसने मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल दिया। देश महंगाई, रोजगार, वैश्विक व्यापार और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर स्पष्ट बहस चाहता है। लेकिन कांग्रेस का फोकस बार-बार ऐसे विवादों पर रहा, जिनसे सदन का समय नष्ट हुआ। यह रवैया न तो विपक्ष की परिपक्वता दिखाता है और न ही लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता।लोकतंत्र में विरोध जरूरी है, लेकिन रचनात्मक विरोध उससे भी अधिक जरूरी है। कांग्रेस यदि सचमुच जनता की आवाज बनना चाहती है, तो उसे सड़क की राजनीति को संसद के भीतर दोहराने से बचना होगा। संसद संवाद का मंच है, संघर्ष का नहीं। यहां तर्क, तथ्य और नीति से सरकार को घेरा जाता है, न कि शोर और अवरोध से। हर बार सदन ठप कर देना आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इससे न तो जनता का भरोसा बढ़ता है और न ही लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।

अंततः सवाल यह नहीं है कि कौन जीता या हारा, बल्कि यह है कि संसद चली या नहीं। बजट सत्र का समय अमूल्य होता है। इसे बाधित कर कांग्रेस ने न सिर्फ सरकार को, बल्कि देश को नुकसान पहुंचाया है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सत्ता को असहज करना नहीं, बल्कि उसे जवाबदेह बनाना है। इसके लिए सदन का चलना अनिवार्य है। यदि कांग्रेस इस मूल सिद्धांत को नहीं समझती, तो उसका विरोध लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि अवरोधकारी राजनीति के रूप में ही देखा जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अवेयरनेस

ब्लड डोनेट करने से एक्टिव रहता है बोन मैरो , नई ब्लड सेल्स भी बनती हैं

रक्तदान को महादान कहा जाता है, क्योंकि आपका डोनेट किया हुआ खून किसी की जिंदगी बचा सकता है। ब्लड डोनेट करना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि कई लोगों के मन में यह डर बना रहता है कि ब्लड डोनेट करने से शरीर में खून की कमी हो सकती है या कमजोर आ सकती है। इस डर की वजह से कई लोग हेल्दी होने के बावजूद ब्लड डोनेट करने से बचते हैं। डॉक्टर्स का साफ कहना है कि ब्लड डोनेट करना सेहत के लिए सुरक्षित है और इससे शरीर को फायदे भी मिल सकते हैं। हेल्दी लोगों को 2-3 महीने में एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए।

सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ एंड वेलनेस डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत के अनुसार ब्लड डोनेट करना सेहत के लिए पूरी तरह सेफ है। एक बार में लगभग 350 से 450 मिलीलीटर ब्लड लिया जाता है, जो एक स्वस्थ व्यक्ति के खून की मात्रा का छोटा सा हिस्सा होता है। ब्लड डोनेशन के बाद शरीर में मौजूद प्लाज्मा 24 से 48 घंटे के भीतर दोबारा बन जाता है, जबकि रेड ब्लड सेल्स की भरपाई कुछ हफ्तों में हो जाती है। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति में रक्तदान से खून की कमी नहीं होती है। सभी लोगों को ब्लड डोनेशन से जुड़ी गलतफहमी से बचना चाहिए।

डॉक्टर ने बताया कि समय-समय पर ब्लड डोनेट करने से शरीर में नई ब्लड सेल्स का निर्माण तेज होता है। इससे बोन मैरो एक्टिव रहता है और नई रेड ब्लड सेल्स बनती हैं। कई रिसर्च में यह भी पता चला है कि ब्लड डोनेशन से हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है। कुछ लोगों को हल्की कमजोरी महसूस हो सकती है, लेकिन यह टेंपरी होती है। पर्याप्त पानी पीने, आयरन से भरपूर डाइट लेने और आराम करने से आप नॉर्मल महसूस करेंगे। आमतौर पर पुरुष हर 3 महीने और महिलाएं हर 4 महीने में सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकती हैं। एक्सपर्ट की मानें तो हर व्यक्ति ब्लड डोनेशन के लिए एलिजिबल नहीं होता है। जिन लोगों को एनीमिया, इंफेक्शन, गंभीर बीमारी हो, उन्हें ब्लड डोनेशन की सलाह नहीं दी जाती है। हाल ही में सर्जरी कराने वाले लोगों को भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। आमतौर पर रक्तदान से पहले हीमोग्लोबिन और सामान्य स्वास्थ्य की जांच की जाती है, ताकि डोनर की सेहत का आकलन हो सके।

सुविचार

दूसरों से नहीं, खुद से मुकाबला करो, तब ही असली तरक्की होगी।
-अज्ञात

यूजर्स गाइड

ईपीएफओ ला रहा है नया ऐप, कई फीचर्स के साथ घर बैठे UPI से निकाल पाएंगे बचत का पैसा

ईपीएफओ भी अप्रैल 2026 तक अपना ऐप लॉन्च करने की तैयारी में है। इस मोबाइल ऐप मे उन लोगों को कई फायदे मिलेंगे, जिनकी सैलरी से पीएफ कटता है। ऐप का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि लोगों को अब अपने ही पैसों के लिए हफ्तों इंतजार नहीं करना होगा।

आने वाले नए ऐप से UPI के जरिए बैंक खाते में पीएफ का पैसा ट्रांसफर किया जा सकेगा। इस ऐप को लॉन्च कर सरकार पीएफ सर्विसेज को बैंकिंग सेवाओं की तरह आसान और सुविधाजनक बनाना चाहती है। चलिए डिटेल में समझते हैं कि आखिर EPFO के आने वाले ऐप से नए ऐप की खास बात होगी कि इसमें पीएफ बैलेंस दो हिस्सों में साफ-साफ बंटा हुआ दिखेगा। ऐसे में यूजर Eligible Balance और Locked Balance अलग-अलग देख पाएगा। बता दें कि एलिजिबल बैलेंस वह होगा जिसे आप निकाल सकते हैं, वहीं आपके कुल फंड का कम से कम 25% हिस्सा हमेशा लॉक रहेगा। लॉक किए गए अमाउंट को आप रिटायरमेंट के बाद निकाल पाएंगे।

ऑटोमैटिक होगा क्लेम सेटलमेंट: EPFO ऐप के लिए ऑटो-सेटलमेंट मोड अपग्रेड किया गया है। इसका फायदा यह होगा कि 5 लाख रुपये तक के क्लेम किसी भी इंसानी दखलअंदाजी के बिना इलेक्ट्रॉनिक रूप से सिर्फ 3 दिनों में सेटर हो सकेंगे। इस टेक्नोलॉजी से EPFO के लिए भी काम का बोझ कम हो सकेगा। इस फीचर को बीमारी, शिक्षा, शादी और घर बनाने जैसे जरूरी कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।

नया ऐप पूरी तरह से BHIM और दूसरे UPI प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ा होगा। इससे यूजर्स को ठीक वैसा ही अनुभव मिलेगा जैसे कि अन्य बैंकिंग ऐप्स को चलाते हुए मिलता है। सरकार का लक्ष्य है कि वह EPFO सर्विसेज को बैंकिंग सेवाओं जितना ही आसान बनाए।

अजब - गजब

कचरे में फेंका 13 लाख का सोना, परेशान परिवार को तीन दिन में वापस भी मिल गया

यह कहानी है दुबई की उस ईमानदारी और कुशल सिस्टम की, जहां खोया हुआ सामान भी चमत्कार की तरह वापस मिल जाता है। एक भारतीय महिला कामिनी कन्नन, जो 23 साल तक यूएई में रह चुकी हैं और 2021 में भारत लौट आईं थीं, हाल ही में एक शादी में शामिल होने दुबई गई थीं। सोने की कीमतें बढ़ रही थीं, इसलिए उन्होंने अपनी पुरानी सोने की पाउच की जांच की।

पाउच फटी हुई थी, इसलिए उन्होंने चार 22 कैरेट के सोने के सिक्के (प्रत्येक 8 ग्राम) और एक 50 ग्राम का 24 कैरेट सोने का बार नए अस्थायी पाउच में डाल दिया और डाइनिंग टेबल पर रख दिया। लेकिन सफाई करते समय उनके बेटे अभिमन्यु ने गलती से उस पाउच को कचरे में फेंक दिया। अगले दिन सुबह जब कामिनी को पता चला कि पाउच गायब है, तो बेटे ने अपनी गलती कबूल की। परिवार को अहसास हुआ कि पाउच कचरे में जा चुका है। सभी को समझ आ गया था कि सोना जा चुका है। लेकिन तीन दिन बाद चमत्कार हुआ।

हैरान रह गया परिवार: परिवार ने बिल्डिंग सिक्योरिटी को सूचित किया, लेकिन उम्मीद नहीं थी कि 50,000 दिरहम (लगभग 13 लाख रुपये) का सोना वापस मिलेगा। कामिनी ने खलीज टाइम्स को बताया, 'अगर कचरे में चला गया तो गया समझो' परिवार ने पुलिस में शिकायत भी नहीं की, क्योंकि लग रहा था कि अब कुछ नहीं हो सकता है। लेकिन तीन दिन बाद, अभिमन्यु को अचानक एक कॉल आया। फोन पर किसी ने पूछा कि क्या आपने कुछ खोया है? पहले तो लगा कोई मजाक कर रहा है, लेकिन बाद में पता चला कि वह दुबई पुलिस का अधिकारी था। अभिमन्यु ने बताया कि वे बिल्डिंग रिसेप्शन पर मिले, जहां पुलिस ने पूरी घटना बताई। कचरा उठाने वाले मजदूर ने कचरे की सफाई के दौरान पाउच देखा और सोने को पहचानकर उसे गोल्ड सौक (Gold Souk) ले गया, जहां सोने से जुड़े सामान की सुरक्षा के लिए सिस्टम है। वहां अधिकारियों ने मजदूर से पूछताछ की कि यह कहां से मिला? मजदूर ने बताया कि यह कचरे से मिला है। पुलिस ने वेस्ट कलेक्शन रिकॉर्ड्स से ट्रैक किया कि यह किस बिल्डिंग का कचरा है और फिर बिल्डिंग सिक्योरिटी से संपर्क कर परिवार तक पहुंची।

गजब का ट्रैकिंग सिस्टम: अभिमन्यु को नाइफ पुलिस स्टेशन बुलाया गया। वहां उन्हें सोना दिखाया गया और सिर्फ फोटो, बिल्स और प्रूफ दिखाकर ही वापस मिल गया। अभिमन्यु ने कहा, 'मुझे सिर्फ फोटो और बिल्स दिखाने थे कि यह मां का है।' परिवार ने पुलिस और दुबई के सिस्टम की तारीफ की कि बिना स्वढ़क्रके भी इतनी तेजी से काम हो गया। यह घटना दुबई की सख्त कानून व्यवस्था और ईमानदारी का जीता-जागता उदाहरण है। यहां छोटी-छोटी चीजें भी मिल जाती हैं, क्योंकि लोग डरते हैं कानून से और सिस्टम इतना मजबूत है कि ट्रैकिंग आसान हो जाती है। कचरा उठाने वाले ने लालच नहीं किया, बल्कि सोना सौंप दिया, और पुलिस ने बिना देरी के कार्रवाई की। भारतीय परिवार के लिए यह राहत की सांस थी, क्योंकि सोना उनकी लंबे समय की निवेश था. कामिनी ने कहा कि दुबई में रहते हुए उन्होंने कई बार ऐसी ईमानदारी देखी, लेकिन यह घटना सबसे यादगार है। अब वे दुबई की सुरक्षा और सिस्टम की और ज्यादा कद्र करते हैं।

निशाना

मुद्दतें हो गईं हंसा नहीं..!

धर्मराज देशराज़

मेरे ग़म की कोई दवा ही नही
मुद्दतें हो गयी हँसा ही नही।
मुझको जिस जुर्म की सज़ा देते
जुर्म यारों वही किया ही नही।
आप अपने में गुम हुआ ऐसे
मैं कहाँ हूँ मुझे पता ही नही।
मेरे चेहरे को पढ़ रहे हो तुम
दिल को मेरे कभी पढ़ा ही नही।
जो भी कहना था आँख से कहते
लव हिलाने से कुछ बुरा ही नही।
क़त्ल करके मुझे वो मानेंगे
बे ख़ता हूँ मेरी ख़ता ही नही।
इतना कमजोर भी नही हूँ 'धरम'
मुश्किलों से कभी डरा ही नही।

न्यूज विंडो

विधायक ने किया भूमि पूजन, 75 लाख रुपये से होंगे निर्माण कार्य

गंजबासौदा। ग्राम सतपाड़ा एवं अनवई में सड़क तथा सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया। दोनों विकास कार्य लगभग 75 लाख रुपये की लागत से संपन्न होंगे। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने ग्राम सतपाड़ा में सतपाड़ा से सतपाड़ा टपरा तक बनने वाली बहुप्रतीक्षित सड़क का भूमि पूजन किया। इस सड़क का निर्माण 50 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं ग्राम अनवई में 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का भी भूमि पूजन किया। विकास कार्यों की सौगात मिलने पर दोनों ग्रामों के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं विधायक हरिसिंह रघुवंशी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी, त्योंदा मंडल अध्यक्ष रोहित कुर्मी, भाजपा वरिष्ठ नेता महेंद्र लोधी, मलखान सिंह गुर्जर, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लाखन सिंह रघुवंशी, तरुवर सिंह रघुवंशी, ग्राम पंचायत अनवई के सरपंच, ग्राम पंचायत सतपाड़ा कला के सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों के लिए जगह चिह्नित 28 लाख से बनेगा डॉग शेल्टर होम

नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार आवारा कुत्तों को लेकर नगर पालिका युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। आवारा कुत्तों को रखने के लिए 28 लाख की लागत से डॉग शेल्टर होम बनाया जाएगा। शेल्टर होम के लिए नगरपालिका की टीम द्वारा जगह भी चिह्नित कर ली गई है। एचएसटीपी प्लांट के पास खाली जगह में इस भवन का निर्माण किया जाएगा। जहां पर आवारा कुत्तों को रखा जाएगा। अभियान प्रभारी अधिकारी उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नागरिकों को आवारा कुत्तों से सतर्क करने के लिए द्रुतगति से अभियान चलाया जा रहा है। आवारा डॉग्स को रखने के लिए 28 लाख रुपए की लागत से डॉग आश्रय गृह भी बनाया जा रहा है। जगह भी चिह्नित की गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा प्रभारी अधिकारी के रूप में स्वच्छता निरीक्षक अनुराग को नियुक्त किया गया है। साथ ही राजस्व निरीक्षक एवं सुपरवाईजर्स की टीम बनाई गई है। आवारा कुत्तों से नागरिकों को जागरूक कर रही है। वेटनरी डाक्टर्स की मदद से आवारा कुत्तों के लिए वैक्सीनेशन की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। प्रभारी अधिकारी श्रीमती तिवारी ने बताया कि आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए डॉग केचर वाहन के साथ ही टीम तैयार कर ली गई है।

लेडी CHO ने ऑफिस में एक साथ खाईं बीपी की 20 गोलियां, इलाज जारी

शिवपुरी। कोलारस में लेडी सीएचओ ने अपने दफ्तर में खुदकुशी करने की कोशिश की। तबीयत बिगड़ने पर लेडी सीएचओ को अस्पताल ले जाया गया जहां से शिवपुरी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, वहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद लेडी सीएचओ के पति ने बीएमओ और अकाउंटेंट प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि बीएमओ और अकाउंटेंट मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। देर रात 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करते थे और वेतन काटने की धमकी भी दे रहे थे। कोलारस के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आटामानपुर में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) डॉ. शीतल सिसोदिया ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अपने दफ्तर में खुदकुशी करने की कोशिश की। खुदकुशी करने के इरादे से डॉ. शीतल ने एक साथ बीपी की 20 गोलियां खा लीं। कुछ देर में ही तबीयत बिगड़ी और वो दर्द से तड़पने लगीं। जिसके बाद साथी कर्मचारी तुरंत उन्हें इलाज के लिए खरई उप स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज शिवपुरी रेफर कर दिया गया। लेडी सीएचओ डॉ. शीतल सिसोदिया के खुदकुशी करने की कोशिश करने के बाद उनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। वहीं उनके पति डॉ. विकास ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) डॉ. संजय राठौर और अकाउंटेंट संजय जैन पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पति डॉ. विकास का आरोप है कि बीएमओ और अकाउंटेंट लगातार पत्नी को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। पत्नी ईमानदारी से अपना काम करती है फिर भी उसे परेशान किया जा रहा था और वेतन काटने की धमकी दी जा रही थी। विकास के मुताबिक एक साल का बच्चा होने के बावजूद पत्नी शीतल समय पर ड्यूटी जाती थी और ईमानदारी से काम करती थी। इसके बाद भी उसे बार-बार नोटिस दिया गया। वहीं बीएमओ डॉ संजय राठौर ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि कार्य समीक्षा के लिए बैठकें लेना सामान्य प्रक्रिया है।

गांवों में फार्म सड़कों का निर्माण किसानों को मिलेगा बड़ा फायदा

नर्मदापुरम। नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा लोकसभा में उठाए गए सवाल पर केंद्र सरकार ने किसानों के हित में सकारात्मक जवाब दिया है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने बताया कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत ग्रामीण अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा।अधिनियम की अनुसूची-1 में ग्रामीण सड़कों, पुलियों, जल निकासी और ग्राम संपर्क सुविधाओं के निर्माण व उन्नयन का प्रावधान है। सरकार ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायतों की जरूरतों, कृषि क्षेत्रों और किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए फार्म रोड सहित ग्रामीण सड़कों का निर्माण व सुधार किया जाएगा। इससे फसलों का परिवहन आसान होगा, कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी।सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सरकार के जवाब पर संतोष जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में यह फैसला किसानों की आय दोगुनी करने और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा है किया कि वे ग्राम पंचायतों के साथ मिलकर इस योजना का लाभ अंतिम किसान तक पहुंचाएंगे।

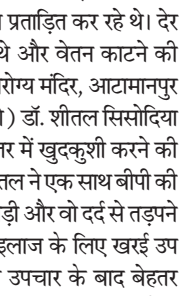

अंधे कत्ल का खुलासा: नागपुर आउटर और यार्ड रोड के बीच मिला था महिला का शव

शादी की जिद करने पर प्रेमिका की हत्या, आरोपी बिहार से गिरफ्तार

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने एक माह पुराने सनसनीखेज अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली। नागपुर आउटर और यार्ड रोड के बीच पेड़ के नीचे मिली अज्ञात महिला के शव के मामले में आरोपी रिजवान को बिहार के रोहतास जिले के रामपुर भरेथा से गिरफ्तार कर लिया गया। मंगलवार को एसपी साईं कृष्णा एस थोटा ने एसडीओपी कार्यालय में प्रेसवार्ता कर पूरे मामले का खुलासा किया।

6 जनवरी 2026 को नाला मोहल्ला के आविद खान ने यार्ड रोड पर अज्ञात महिला का शव मिलने की रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में हत्या की पुष्टि हुई। एसपी और अतिरिक्त एसपी के निर्देश पर एसडीओपी इटारसी वीरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। एसपी ने बताया कि टीम ने 2000 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले। साइबर सेल ने तकनीकी डेटा का विश्लेषण किया। मुखबिरों की टिप पर बिहार के थाना कच्छवा, रामपुर भरेथा पहुंची टीम ने रिजवान उर्फ रिजवान पिता नेहलउद्दीन खान को खेत से पकड़ा। गहन पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया।पूछताछ में पता चला कि रिजवान और मृतका रिहाना खातून पड़ोसी गांवों के थे। दोनों 1-2 माह से चंद्रपुर (महाराष्ट्र) में रह रहे थे। रिहाना शादी का दबाव डाल रही थी, लेकिन रिजवान तैयार नहीं। उसे शक था कि रिहाना का किसी और से संबंध है। 4 फरवरी को चंद्रपुर से इटारसी पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर झगड़ा हुआ। रिहाना ने गांव जाकर रिपोर्ट करने की धमकी दी तो रिजवान ने उसे फ्रेश होने के बहाने सुनसान यार्ड रोड पर ले जाकर हत्या कर दी। पुलिस ने रिजवान को कोर्ट में पेश कर 12 फरवरी तक रिमांड ले ली है।

इनकी सराहनीय भूमिका, 30 हजार का इनाम

एसपी ने टीम को बधाई दी। अहम भूमिका निभाने वालों में आरक्षक राजकुमार झपाटे (749), आरक्षक संदीप यदुवंशी (साइबर सेल), थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला इटारसी थाने का समस्त स्टाप, एसडीओपी कार्यालय का समस्त स्टाप, थाना प्रभारी पथरोटा संजीव पवार, साइबर सेल नर्मदापुरम, आरपीएफ इटारसी के आरक्षक निर्मल पटेल व प्रहलाद कुमरे और रक्षित केंद्र हरदा के मनीष मेहतो शामिल हैं। आईजी ने टीम को 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया।प्रेसवार्ता में एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा, थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला और पथरोटा थाना प्रभारी संजीव पवार मौजूद रहे।

बस संचालकों को पुराने बस स्टैंड पर 5 मिनट के स्टॉप के लिए देना होगा शपथ पत्र

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर के पुराने बस स्टैंड से सवारी चढ़ाने वाली बसों को अब 5 मिनट का स्टॉप मिल जायेगा, लेकिन प्रशासन की शर्तें मानना अनिवार्य रहेगा। मंगलवार को नवीन रेस्ट हाउस में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा की मौजूदगी में नपाध्यक्ष पंकज चौरे और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच करीब पौन घंटे चली बैठक में यह फैसला लिया गया। यात्रियों, ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं और व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुराने स्टैंड पर 5 मिनट रुकने का निर्णय हुआ, लेकिन शर्तों का पालन न करने पर परमिट रद्द हो जाएगा।बैठक में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा, एसडीएम नीलेश शर्मा, एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा, भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल चौरे, ग्रामीण अध्यक्ष मयंक मेहतो और भाजपा नेता जयकिशोर चौधरी उपस्थित रहे। पुराने बस स्टैंड बंद होने के बाद सभी बसें नए स्टैंड से चल रही हैं, जिससे स्थानीय छात्रों, ग्रामीणों और यात्रियों को ऑटो से जाना पड़ रहा है या ब्रिज तिराहे पर इंतजार करना पड़ रहा। इसी मुद्दे पर कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से सड़क पर उतरकर 5 मिनट स्टॉप की मांग कर रही थी कांग्रेस ने ज्ञापन भी सौंपा था और हस्ताक्षर अभियान चलाकर आंदोलन की तैयारी कर रही थी। सोमवार देर शाम विधायक डॉ. शर्मा के साथ व्यापारियों व बस संचालकों की बैठक में प्रारंभिक सहमति बनी थी, जो मंगलवार को अंतिम रूप ले चुकी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा ने बताया कि शिकायतों और छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए अगले सात दिनों तक बसों का पांच मिनट स्टॉप पुराने बस स्टैंड पर दिया गया है।लेकिन इस पांच मिनट में पुराने बस स्टैंड के अंदर आने और जाने का समय भी शामिल रहेगा। बस सिर्फ दो मिनट के लिए रुकेगी और यात्रियों को बैठाकर या उतारकर आगे रवाना होगी। यह व्यवस्था अगले सात दिन तक रहेगी। इसके लिए बस संचालकों को एक शपथ पत्र देना होगा, साथ ही प्रशासन की शर्तों का पालन करना होगा। सात दिन तक अगर शर्तों के अनुसार बसें चलेंगी तो इसे आगे बढ़ा दिया जाएगा।

पेट्रोल पंप मालिक को रॉड-डंडों से पीटा, हत्या का प्रयास; 3 बोलेरो जब्त, 8 पर केस

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

चक्कर रोड स्थित पेट्रोल पंप के मालिक मनु प्रताप सिंह और उनके रिश्तेदार शुभेक्षु तोमर पर रेत कारोबार से जुड़े आधा दर्जन से अधिक लोगों ने सुबह 11 बजे लोहे की रॉड व डंडों से हमला कर दिया। रेत रॉयल्टी को लेकर हुआ विवाद मारपीट में तब्दील हो गया। हमले से ट्रैफिक जाम हो गया, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले।एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि फरियादी शुभेक्षु तोमर व मनु प्रताप सिंह पेट्रोल पंप पर खड़े थे। तभी तीन बोलेरो से रेत कारोबार से जुड़े कुछ लोग आए और पंप के पास पड़े रेत के ढेर की रॉयल्टी मांगने लगे। फरियादी पक्ष ने सवाल किया कि पूछने का अधिकार क्या है, तो बहस भड़क गई। हमलावरों ने रॉड-डंडों से हमला कर तीनों को घायल कर दिया।पुलिस ने राजा, सुरेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, नेत्रपाल, नागेंद्र कुमार, आकाश शर्मा व नरेंद्र सिंह सहित 8 आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में मामला दर्ज किया। तीन बोलेरो जब्त कर ली गईं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

कोचिंग शिक्षक संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान डीजे पर लगे लगाम

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

प्रदेशभर में शुरू हो चुकी बोर्ड परीक्षाओं के बीच बढ़ते ध्वनि प्रदूषण से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने पर मंडीदीप कोचिंग शिक्षक संघ ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार थाना मंडीदीप में एसडीएम महोदय के नाम से आवेदन देकर शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्रों जैसे कान फोडू डीजे, लाउडस्पीकर आदि पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

शिक्षक संघ का कहना है कि 10 फरवरी से कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, जबकि 14 फरवरी से कक्षा 10वीं की परीक्षाएं भी प्रारंभ होने वाली हैं। ऐसे में विवाह मुहूर्त के चलते माता पूजन, बारातों और मैरिज गार्डनों में तेज आवाज में डीजे बजाने की प्रथा से छात्रों की एकाग्रता और पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

वहीं व्यवसाई संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि डीजे की तेज आवाज से न केवल पढ़ाई का नुकसान हो रहा है, बल्कि जहां से बारात या डीजे गुजरते हैं, वहां दुकानों में रखा सामान भी तेज कंपन से गिरने लगता है। इससे स्थानीय व्यापारियों और निवासियों को भी परेशानी हो रही है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से मंडीदीप कोचिंग शिक्षक संघ के अध्यक्ष ब्रह्मानंद नायक, उपाध्यक्ष सोम पाल, कोषाध्यक्ष अनूप यादव, वरिष्ठ शिक्षक सीता राम सर सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। शिक्षक संघ ने विद्यार्थियों के हित में तत्काल प्रभाव से ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर प्रतिबंध लगाने और सख्ती से नियम लागू करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कई जिलों में पहले से ही बोर्ड परीक्षा अवधि में परीक्षा केंद्रों के आसपास 100-200 मीटर तक लाउडस्पीकर/डीजे पर रोक लगाई जा चुकी है, ऐसे में मंडीदीप में भी इसी तरह के आदेश की अपेक्षा की जा रही है। गोहरगंज एसडीएम सीएस श्रीवास्तव ने बताया कि इस संबंध में थाना स्तर पर डीजे संचालकों की बैठक बुलाकर, नियमानुसार दिशा निर्देश जारी करेंगे, इसके बाबजूद नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

टीचर कुल्हाड़ी लेकर बीआरसीसी को मारने पहुंचा

रतलाम। दोपहर मेट्रो

स्कूल की कक्षा में कलम लेकर पढ़ाने वाला शिक्षक हाथ में हथियार लेकर किसी को मारने के लिए पहुंच जाए तो वर्तमान टीचरों की मानसिक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसा एक बार नहीं वरन बार-बार कोई टीचर करे तो उसकी मानसिकता आपराधिक किस्म की ही हो सकती है। ऐसा ही रतलाम विकासखंड के एक टीचर की देखने में आई है। यह टीचर बार-बार अपने अधिकारियों को धमकाने, उन पर हथियार लेकर दहशत फैलाने में लगा हुआ है। पहले इनके घरों पर जाकर धमकाया और अब कार्यालय में ही कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा और मारने के लिए धमकाने लगा। यह तो अच्छा हुआ कि वहां मौजूद अन्य लोगों ने उसे रोक लिया और जिसे मारने आया था वह अपने चैंबर में चला गया वरना कोई बड़ी घटना होने से रोका नहीं जा सकता था।

ऐसा ही घटनाक्रम जिला शिक्षा केंद्र परिसर स्थित विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक (बीआरसीसी) कार्यालय में मंगलवार को उस समय सामने आया जब निलंबित एक टीचर बाइक से पहुंचा और अपनी बाइक के झोले में रखी कुल्हाड़ी लेकर गाली गलौच करने लगा। इससे वहां हड़कंप मच गया। निलंबित टीचर कुल्हाड़ी लेकर विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्यक(बीआरसीसी) विवेक नागर को धमकाने पहुंच गया। वह बाइक के झोले में कुल्हाड़ी लिए हुए था और जैसे ही वहां पहुंचा तो उसने कुल्हाड़ी निकाली और अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए हंगामा कर दिया। लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। बाद में बीआरसीसी नागर ने स्टेशन रोड थाने में आरोपी टीचर दिलीप राठौड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिला शिक्षा केन्द्र परिसर स्थित बीआरसीसी कार्यालय में बीआरसीसी विवेक नागर व अन्य कर्मचारी थे। नागर ने बताया कि वह जिला शिक्षा केंद्र में एपीसी के साथ ही बीआरसीसी भी है। मंगलवार दोपहर करीब 2.20 बजे परिसर में खड़ा था। इसी दौरान दिलीप राठौर कुल्हाड़ी लेकर आया और दूर से अश्लील भाषा का उपयोग करते हुए पास आने की कोशिस करने लगा। उसका वीडियो बनाया तो वह और भी ज्यादा उग्र हो गया।

घर में घंटों फंदे पर लटकी रही पुलिसकर्मी की पत्नी

छिंदवाड़ा। शहर में कोतवाली थाना क्षेत्र के चंदनगांव की आशीर्वाद कॉलोनी में रहने वाली प्रीति रघुवंशी (32 वर्ष) का शव गत दिवस रात घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। प्रीति के पति चंद्र किशोर रघुवंशी पांढुर्ना जिले के लोधीखेड़ा थाने में आरक्षक के पद पर पदस्थ हैं। सोमवार की रात जब वो ड्यूटी से वापस घर पहुंचे तो बार-बार खटखटाने पर भी पत्नी ने दरवाजा नहीं खोला। दरवाजा तोड़ा तो पत्नी प्रीति फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। पुलिस को घटनास्थल से एक तीन पेज का सुसाइड नोट मिला है। कोतवाली पुलिस के अनुसार सोमवार की रात को कॉन्स्टेबल चंद्रकिशोर रघुवंशी लोधीखेड़ा से घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था तथा काफी देर तक आवाज लगाने पर दरवाजा जब नहीं खुला तो उसे तोड़ा गया। घर के अंदर पत्नी प्रीति रघुवंशी फांसी पर लटकी हुई थी। बताया जा रहा है कि प्रीति ने सोमवार की दोपहर में ही फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी लेकिन पति के रात में आने के बाद ही जानकारी लग पाई। प्रीति का 12 वर्ष का बेटा गांव गया था जिसके कारण वह घर पर अकेली थी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची थी।

मेट्रो एंकर दोपहर मेट्रो में प्रकाशित खबर के बाद केंद्रीय जांच दल द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का असर

नपा ने बेतवा और कालियासोत नदियों में शुरू किया स्वच्छता अभियान

अजय आहूजा। मंडीदीप

नगर पालिका ने आस्तित्व खो रही बेतवा नदी और उसकी सहायक नदी कालियासोत की स्वच्छता के लिए एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। अनुविभागीय अधिकारी के निर्देश पर यह अभियान मंगलवार सुबह 11 बजे कालियासोत नदी पर स्थित छठ पूजा घाट से शुरू किया गया। अभियान के तहत मंडीदीप से भोजपुर तक बेतवा नदी और कालियासोत नदी के विभिन्न घाटों पर जलकुंभी सहित अन्य कचरा हटाया जाएगा। नपा का यह प्रयास नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत हाल ही में मंडीदीप आये केंद्रीय जांच दल द्वारा नगर पालिका, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राजस्व विभाग को दिए गए दिशा-निर्देशों तथा अखबार में मंगलवार को प्रकाशित प्रमुख खबर बेतवा की निर्मलता को निगल रहा जहर÷ से जोड़कर देखा जा रहा है।

नगर पालिका मंडीदीप ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सख्त निर्देशों के अनुपालन में शहर से होकर बहने वाली बेतवा और कालियासोत नदियों में नालों के माध्यम से मिलने वाले शहरी अपशिष्ट (सीवेज) को ट्रीट करने के लिए 10 अलग-अलग स्थानों पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार कर ली है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशांत जैन ने बताया कि आगामी दिनों में इसके लिए टेंडर जारी किए जाएंगे और जिला प्रशासन से आवश्यक जमीन उपलब्ध कराने की मांग की जाएगी। ज्ञात हो कि एनजीटी के निर्देशों को समय-सीमा में पूरा न करने पर नगर पालिका पर भारी जुर्माना लगाया गया था, जिसका मामला वर्तमान में न्यायालय में लंबित है। गोहरगंज एसडीएम सीएस श्रीवास्तव ने बताया कि स्वच्छता अभियान और संबंधित कदम बेतवा नदी के प्रदूषण को रोकने तथा उसकी सफाई और संरक्षण के लिए शुरू किया गया है, मंडीदीप से भोजपुर तक यह अभियान चलेगा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 50 से अधिक उद्योगों को जारी किए नोटिस

केंद्रीय जांच दल की रिपोर्ट और नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के स्थानीय कार्यालय ने मंडीदीप क्षेत्र के 50 से अधिक उद्योगों को नोटिस जारी किए हैं। इन उद्योगों को अपने कारखानों में स्थापित ईटीपी (एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) और एसटीपी का व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने तथा कारखाने से निकलने वाले अपशिष्ट जल (बेस्ट वॉटर) की लैब टेस्टिंग रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी ब्रजेश शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा नियमित जांच के साथ-साथ केंद्रीय जांच दल के निर्देशों के अनुपालन में ये नोटिस जारी किए गए हैं।

न्यूज विंडो

लापता नाबालिग की तलाश की मांग को लेकर एएसपी को सौंपा ज्ञापन

दमोह/तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र से करीब डेढ़ महीने पहले अपहृत हुई नाबालिग छात्रा को अब तक बरामद नहीं किए जाने पर ब्राह्मण समाज ने नाराजगी जताई। समाज के लोगों ने दमोह पहुंचकर एडिशनल एसपी को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ता मनीष नगाइच ने बताया कि ब्राह्मण समाज की कक्षा 10वीं में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा का गांव के ही कुछ लोगों द्वारा अपहरण किया गया था। इस संबंध में थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। पीड़ित परिजनों ने पुलिस को मोबाइल नंबर सहित कई साक्ष्य उपलब्ध कराए थे, लेकिन इसके बावजूद अब तक छात्रा की बरामदगी नहीं हो सकी है। इससे परिजन और समाजजन आक्रोशित है। ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक दमोह के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि तीन दिनों के भीतर नाबालिग छात्रा को बरामद किया जाए। जिलाध्यक्ष मुकेश पांडेय और अधिवक्ता मनीष नगाइच ने कहा कि पुलिस द्वारा अब तक इस मामले में कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने दो विशेष टीम गठित करने और सायबर एक्सपर्ट को जांच में शामिल करने की मांग रखी एसपी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा और सायबर टीम को ट्रेसिंग के कार्य में तत्काल लगाया गया है। पीड़ित परिवार ने कहा कि यदि तीन दिनों में छात्रा को बरामद नहीं किया गया तो आगामी 13 फरवरी को मुख्यमंत्री के नोहटा आगमन के दौरान उनके सामने प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल में पंडित गोविंद तिवारी, अर्पित पांडेय और गरिमा त्रिपाठी मौजूद रहे।

जैन मंदिर से सात अष्टधातु की प्रतिमाएं और नगदी चुरा ले गए चोर

धार। शहर के कैलाश नगर स्थित जैन मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने चोरी की वारदात करते हुए मुख्यं प्रवेश द्वार का ताला तोड़कर मंदिर से अष्टदधातु की सात प्रतिमाओं के साथ दानपात्र में रखी 10 हजार से अधिक की नगदी चुराकर फरार हो गए। मंदिर में हुई चोरी की वारदात की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा सीसीटीवी खंगालने पर एक एक बदमाश कंबल ओड़कर ट्रैक्टौर के समीप से भागता हुआ नजर आ रहा है। मंदिर के कोषाध्यक्ष योगेश जैन ने बताया कि चोरों ने पहले मंदिर के ताले तोड़े। इसके बाद दानपात्र से 8 से 10 हजार रुपए नकद निकाले और मंदिर में स्थापित अष्टधातु की सात प्रतिमाएं भी चुरा लीं। चोरी हुए सामान की कुल कीमत एक लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उनकी तलाश जारी है। मंदिर समिति से जुडे सदस्योंय ने बताया कि मंदिर में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं हुई थी।

बोर्ड परीक्षा के पहले दिन अनुकरणीय पहल: जमुनिया-चिखली बना 'आदर्श परीक्षा केंद्र

उत्सव-सा स्वागत...परीक्षार्थियों को तिलक लगाया, फूल माला पहनाई और की पुष्पवर्षा

सागर। दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की बोर्ड परीक्षा के पहले दिन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुनिया-चिखली ने परीक्षा व्यवस्था को एक नई दृष्टि दी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विद्यालय को 'आदर्श परीक्षा केंद्र' के रूप में विकसित किया गया, जो संभवतः सागर जिले का पहला ऐसा केंद्र है जहां अनुशासन और संवेदनशीलता का अद्भुत संतुलन देखने को मिला।

संस्था परीक्षा प्रभारी शिक्षक अरुण कुमार दुबे केंद्र अध्यक्ष आर के चौरसिया सहायक केंद्र अध्यक्ष मानक लाल मेहरा व सहायक संचालक शिक्षा केसली कु. रूपल जैन के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुनिया-चिखली में विद्यार्थियों के लिए परीक्षा को उत्सव बनाने का सार्थक प्रयास किया गया। पुष्प बरसा कर तिलक लगाकर फूल माला पहनाकर छात्रों का स्वागत किया गया. परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार को रंगीन गुब्बारों और फूलों से सजाया गया, छात्रों का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा कर और आत्मीय मुस्कान के साथ स्वागत किया गया ताकि परीक्षा का पहला कदम ही आत्मविश्वास से भरा हो।

नियमों की कठोरता के साथ विद्यार्थियों के मनोबल का भी पूरा ध्यान रखा गया

विद्यालय परिसर में प्रेरक उद्धरण, सकारात्मक संदेश, शांत वातावरण और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ इस बात का प्रमाण रहीं कि यहां नियमों की कठोरता के साथ-साथ विद्यार्थियों के मनोबल का भी पूरा ध्यान रखा गया। प्रवेश द्वार पर सहायता केंद्र (हेल्प डेस्क) स्थापित किया गया, जहाँ रोल नंबर संबंधी सहायता, मार्गदर्शन और घबराहट दूर करने की तत्पर व्यवस्था रही। स्टेशनरी बैंक के माध्यम से पेन-पेंसिल जैसी आवश्यक वस्तुएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, तथा अभिभावकों के लिए छायादार प्रतीक्षा स्थल जैसी सुविधाओं ने परीक्षा अनुभव को सहज और मानवीय बनाया। इस अवसर पर इंद्रपाल लोधी डॉ. राहुल चौरसिया, डॉ अरविंद यादव नीलेश सेन तथा अन्य शिक्षक-साथी उपस्थित रहे।

15 से अधिक चोरी की वारदातों में शामिल शातिर चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

निसरपुर/कुक्षी पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के फरार मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मुकेश पिता शेरसिंह कटारा पिछले कई महीनों से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई जा रही है।

मामला अक्टूबर का है, जब चिखल्दा के कनिष्ठ यंत्री भारत निहरता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम बैडवालिया-मसानिया रोड पर ग्याराह केवी के फीडर के करीब 3 किलोमीटर लंबे एल्युमिनियम तार चोरी हो गए हैं। सिंचाई के समय बिजली गुल होने से क्षेत्र के किसानों में काफी आक्रोश था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने विशेष टीम गठित कर आरोपियों की धरपकड़ के निर्देश दिए थे।

पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी मुकेश ने कई वारदातों में खुलासे किए हैं। उसने अपने साथियों रहेश मोहरे, विशाल, संजय और अविनाश के साथ मिलकर धार और खरगोन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 15 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी ने बताया कि उसने मनावर में 5, धरमपुरी में 5, धामनोद, सागौर, तिरला और महेश?वर में एक-एक अपराध चौकरी सिंघाना और उमरबन व बाकानेर में भी चोरियां की वारदातें की थी। निसरपुर पुलिस ने तकनीकी और कठोर तरीके से संदिग्ध अविनाश उर्फ छोटू को हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसके बाद पूरे गिरोह का पर्दाफाश हुआ। गिरोह के अन्य सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके थे और जेल में हैं, जबकि मुकेश फरार चल रहा था। आरोपी चोरी के तारों को धामनोद के एक कबाड़ी हेमंत शर्मा को बेचते थे।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी महिलाएं-बच्चे समेत 26 लोग घायल

रायसेन। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के रायसेन जिले में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 26 लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद इलाके में चीख पुकार मच गई। फिलहाल, सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा दिया गया है।

बता दें कि, ये भीषम सड़क हादसा जिले की गणेश घाटी पर हुआ है। घायलों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा बताई जा रही है। एक दर्जन से ज्यादा गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। आपको बता दें कि भिलाड़िया गांव के ग्रामीण गैरतगंज तहसील के सिद्ध क्षेत्र पठरिया धाम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम की पूर्णाहुति में शामिल होने गए थे। वहां से सभी ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर अपने निवास स्थल लौट रहे थे। इसी दौरान भोपाल-सागर मुख्य सड़क मार्ग पर गढ़ी और मुदियाखेड़ा के बीच स्थित गणेश घाटी पर शाम करीब 7 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद घटना स्थल पर चीख पकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने राहत कार्य करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व अमला मौके पर पहुंचा और सभी घायलों को गैरतगंज सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। अबी जानकारी सामने आई है कि, घायलों में से कुछ गंभीर घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

12वीं बोर्ड परीक्षाओं का आगाज: पहले पेपर के बाद खिले विद्यार्थियों के चेहरे, बोले- तैयारी के अनुरूप आया पेपर

धार। दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बहुप्रतीक्षित कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। पहले दिन अंग्रेजी विषय का पेपर देकर परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले छात्र-छात्राओं के चेहरे पर सुकून और मुस्कान नजर आई। जिले के उत्कृष्ट विद्यालय सहित अन्य केंद्रों पर परीक्षार्थियों ने बताया कि पेपर उनकी तैयारियों के अनुरूप ही रहा। छात्रों का मानना है कि यदि आगे के पेपर भी इसी स्तर के रहे, तो इस वर्ष परीक्षा परिणाम काफी बेहतर रहने की उम्मीद है। 10 वीं कक्षा की परीक्षा 13 जनवरी से शुरु होकर 6 मार्च तक चलेगी। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17,556 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए पंजीकृत हुए थे, जिसमें से 17 हजार 95 बच्चें ही शामिल हुए। 461 बच्चोंध की अनुपस्थिति दर्ज की गई है।

इस वर्ष मंडल ने परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए तकनीक का सहारा लिया है। नकल रोकने के लिए निगरानी व्यवस्था को पूरी तरह

डिजिटल कर दिया गया है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कंट्रोल रूम से सीधी नजर रखी जा रही है। खास बात फ्लाइंग स्क्वाड सूचना मिलने पर सीधे उसी स्थान पर पहुंच रहे हैं जहाँ संदिग्ध गतिविधि दिख रही है, जिससे मौके पर केस बनाना आसान हो गया है। पहले की आकस्मिक जांच की तुलना में यह डिजिटल व्यवस्था अधिक प्रभावी साबित हो रही है। गौरतलब है कि कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार विद्यार्थियों की संख्या में कुछ कमी दर्ज की गई है। बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए शिक्षा विभाग ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिले में कुल 105 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें निजी स्कूलों को भी शामिल किया गया है। 9 केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है, जहां सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम हैं। प्रत्येक केंद्र पर एक शासकीय अधिकारी को प्रभारी बनाया गया है, साथ ही केन्द्राध्यक्षों की नियुक्ति भी की गई है।

फैक्ट फाइल

कुल परीक्षार्थी	: 17,556 विद्यार्थी
कुल परीक्षा केंद्र	: 105 केंद्र
संवेदनशील केंद्र	: 09 केंद्र
नए परीक्षा केंद्र	: 04 केंद्र

चेक बाउंस मामले में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को मिली सफलता

अभियुक्त को 6 माह का कारावास एवं क्षतिपूर्ति का आदेश

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा तेंदूखेड़ा द्वारा दायर चेक बाउंस प्रकरण में माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन, जिला जबलपुर की न्यायाधीश श्रीमती विजय भारती यादव द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय पारित किया गया है। यह प्रकरण परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 के अंतर्गत बैंक द्वारा परिवादी के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

मामले के अनुसार अभियुक्त सनमति कुमार जैन निवासी जैन मंदिर के पास तेंदूखेड़ा द्वारा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा तेंदूखेड़ा से 2,00,000 (दो लाख रुपये) का ऋण लिया गया था, जिसे समय पर चुकाया नहीं गया। बैंक द्वारा बार-बार नोटिस दिए जाने के पश्चात अभियुक्त ने बैंक को 1,62,000 (एक लाख बासठ हजार रुपये) का चेक प्रदान किया। उक्त चेक बैंक में प्रस्तुत किए जाने पर अनादरित (चेक बाउंस) हो

गया चेक बाउंस होने के पश्चात सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 4 फरवरी 2025 को पाटन सिविल न्यायालय में अभियोग प्रस्तुत किया गया। इस प्रकरण में बैंक की ओर से अधिवक्ता अभिषेक अग्रवाल द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। सुनवाई उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2026 को निर्णय सुरक्षित किया गया। न्यायालय ने निर्णय सुनाते हुए अभियुक्त सनमति कुमार जैन को दोषी करार दिया और उन्हें 6 माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही अभियुक्त को परिवादी बैंक को 1,86,775 (एक लाख छियासी हजार सात सौ पचहत्तर रुपये) प्रतिकार राशि अदा करने का आदेश दिया गया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि अभियुक्त प्रतिकार राशि अदा करने में विफल रहता है, तो उसे एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

इस संबंध में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा तेंदूखेड़ा के प्रबंधक श्री निशांत चौरसिया ने बताया कि बैंक अपने ग्राहकों को समय पर ऋण सुविधा प्रदान करता है, लेकिन ऋण की अदायगी न करना एवं चेक बाउंस जैसे मामलों में बैंक कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बैंकिंग प्रणाली में विश्वास बनाए रखने एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है बैंक प्रबंधन ने न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे न्याय की जीत बताया है

स्कूल जाने से पहले टोस्ट लेने जा रही चचेरी बहनों को कार ने रौंदा

सतना। दोपहर मेट्रो

सिंहपुर थाने से 200 मीटर दूर दसमा मील के पास सुबह तेज रफ्तार कार के चालक ने दो चचेरी बहनों को रौंद दिया। कार सवार फरार हो गया। घटना के 5 मिनट बाद पुलिस स्वयं पहुंच गई। बच्चियों को अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चियों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। शा. प्रा. स्कूल डंडिया में सोनम 5वीं, मानवी तीसरी की छात्रा थी। स्कूल जाने से पहले टोस्ट लेने गई थीं। पुलिस के अनुसार दोनों के माता-पिता मुंबई में मजदूरी करते हैं। बच्चियां यहां सतना जिले में दादा-दादी के साथ रहकर पढ़ती थीं। थाना प्रभारी अजय अहिरवार के अनुसार घटना करीब 8.30 बजे की है। एमपी19 सीबी 6289 कार नागौद-कालिंजर स्टेट हाईवे के रास्ते पहाड़ीखेरा की तरफ से आ रहा थी। उसरार मोड़ के पास टोस्ट खरीदकर लौट रहीं सोनम पिता रमेश (10), मानवी दहायत पिता महेश (8) को कार चालक ने रौंद दिया।

मेट्रो एंकर

नोहटा में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नोहलेश्वर महोत्सव आयोजित

रोजगार मेला एवं युवा संगम में विद्यार्थियों को दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नोहटा में आयोजित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नोहलेश्वर महोत्सव के अंतर्गत रोजगार मेला एवं युवा संगम का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय के कुल 150 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में शैक्षणिक स्टाफ भी युवा संगम में सम्मिलित हुआ।

कार्यक्रम में डॉ. अरुणेंद्र पटेल, यशवंत अहिरवाल, डॉ. बालकृष्ण कुशवाहा, डॉ. संध्या स्थापक, डॉ. रुचि द्विवेदी, श्रीमती खुशबू रावत एवं भगीरथ अहिरवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें कार्यक्रम से अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। युवा संगम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन, रोजगार के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी, कौशल विकास एवं स्वरोजगार से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों ने रोजगार मेले में विभिन्न विभागों, संस्थानों एवं कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भ्रमण कर रोजगार एवं प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस आयोजन को अपने भविष्य निर्माण की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम उन्हें अपने लक्ष्य स्पष्ट करने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देते हैं। प्राचार्य श्री ठाकुर ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। नोहलेश्वर महोत्सव के अंतर्गत आयोजित यह रोजगार मेला एवं युवा संगम युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल रही, जिसमें अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय, की सहभागिता उल्लेखनीय रही।

एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर फ्रैंक का नाम

दस्तावेज में कई चौंकाने वाले खुलासे पर आरोप साबित नहीं

नई दिल्ली। फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के दिग्गज फुटबॉलर फ्रैंक रिबेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान की उपलब्धियां नहीं, बल्कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए तथाकथित एपस्टीन फाइल्स हैं। रिबेरी 2006 में फीफा विश्वकप के फाइनल में पहुंचने वाली फ्रांस टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन इटली के खिलाफ उनकी टीम हार गई थी। वहीं, वह एक बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप और एक बार बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। स्पेनिश अखबार मार्का की रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड स्टार का नाम उन दस्तावेजों में दिखाई देता है जो दिवंगत और दोषी करार दिए जा चुके कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच का हिस्सा थे।

नाम है, आरोप तय नहीं

सबसे पहले सबसे अहम बात। इन फाइल्स में नाम आने का मतलब यह नहीं है कि रिबेरी पर कोई अपराध साबित हुआ है, उनके खिलाफ मामला दर्ज है या वह किसी जांच के दायरे में हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह सामग्री बड़े पैमाने पर इकट्ठी की गई गवाहियों, नोट्स और बयानों का संग्रह है, जिनमें से कई कभी अदालत तक पहुंचे ही नहीं। 2026 की शुरुआत में अमेरिका में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसप के तहत हजारों दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें हजारों वीडियो, लाखों तस्वीरें और जांच से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। इसी बड़े डेटा के बीच कुछ पन्नों पर रिबेरी का नाम सामने आता है।

दस्तावेज में क्या लिखा है?

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन हिस्सों में रिबेरी का जिक्र है, वे एक गवाह के दावे हैं। उदाहरण के तौर पर एक जगह लिखा है, फ्रैंक रिबेरी ने मुझे मारने की कोशिश कीज पुलिसकर्मियों ने उन्हें घेर लिया और उनकी कार तक वापस ले गए। एक अन्य हिस्से में दावा किया गया, मैं यह देखकर हैरान था कि देह व्यापार का नेटवर्क यहां पहुंच गयाज मुझे लगा जैसे वे मुझे वापस ले जाना चाहते हैं।

सरकार या अदालत ने क्या कहा?

अमेरिकी न्याय विभाग ने कहीं भी इन दस्तावेजों को औपचारिक आरोप या सबूत नहीं बताया है। रिबेरी के खिलाफ किसी कार्रवाई की घोषणा भी नहीं हुई है। यानी कानूनी स्थिति फिलहाल वही है, न केस, न चार्ज। रिबेरी का नाम पहले भी 2010 में एक मामले में सामने आया था, जब उन पर और करीम बेंजेमा पर नाबालिग से जुड़े आरोप लगे थे। 2014 में अदालत ने दोनों को यह कहते हुए राहत दी थी कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उन्हें उम्र की जानकारी थी। अब नए दस्तावेज सामने आने से सोशल मीडिया पर बहस जरूर तेज हो गई है, लेकिन कानून की नजर में स्थिति अभी नहीं बदली है।

बीसीसीआई ने नहीं मानी भारतीय क्रिकेटरों की मांग

टी20 विश्वकप में परिवार साथ नहीं ले जा सकेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्वकप 2026 में भारतीय टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए बीसीसीआई ने सख्त कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई ने अपनी सख्त नीतियों पर कायम रहते हुए टी20 वर्ल्ड कप अभियान के दौरान खिलाड़ियों के परिवारों और पार्टनर्स को उनके साथ रहने से रोक दिया है।सूत्रों के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने मांग की थी कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके परिवारों को भी साथ रहने की अनुमति दी जाए। हालांकि, खबर है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस मांग को फिलहाल ठुकरा दिया है। बोर्ड की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी आना बाकी है।

बता दें, टी20 वर्ल्ड कप में इंडियन टीम ग्रुप स्टेज के तीन मुकाबले भारत में ही खेलने वाली है। बीसीसीआई के नियम के मुताबिक 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट के लिए परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं, जबकि छोटे टूर के लिए यह लिमिट घटाकर सिर्फ सात दिन कर दी गई है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम मैनेजमेंट ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में सफाई मांगी थी, लेकिन बोर्ड ने साफ कहा कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, बोर्ड ने साफ कर दिया है कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे। हालांकि, अगर वे चाहें तो अलग से इंतजाम कर सकते हैं।

पिछले जनवरी में लागू किया गया नियम

भारत टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लीग फेज के तीन मैच घर पर और एक गेम कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवारों को खिलाड़ियों के साथ टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था। भारतीय टीम 2024 में न्यूजीलैंड से भारत में ही 0-3 से हारी थी और फिर ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-3 से हार हुई थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के खराब प्रदर्शन की स्थिति को देखते हुए ऐसा किया गया था। अधिकारियों का मानना था कि परिवारों के साथ होने से, खासकर विदेशी मैचों के दौरान, खिलाड़ियों का ध्यान भटक सकता है और उनके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी लंबी विदेशी सीरीज के दौरान परिवार की मौजूदगी सीमित रखने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने जुलाई 2025 में कहा था, परिवार की भूमिका अहम है, लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां किसी छुट्टी पर नहीं आए हैं। आप यहां एक बड़े मकसद से हैं। ड्रेसिंग रूम में बहुत कम लोगों को देश को गर्व महसूस कराने का यह मौका मिलता है।

भारत-पाकिस्तान मैच विवाद: गावस्कर ने नासिर हुसैन को लताड़ा, कहा

पुरानी ताकतों को हजम नहीं हो रहा दुनिया पर भारत का बढ़ता दबदबा

मुंबई दोपहर

टी20 विश्वकप से पहले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा आखिरकार समाप्त हो गया। पाकिस्तानी सरकार ने पीसीबी और पाकिस्तान टीम से भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले एक फरवरी को पाकिस्तानी सरकार ने बांग्लादेश के समर्थन में ड्रामा करते हुए भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कारण करने का एलान किया था। नौ दिन के ड्रामे के बाद और आईसीसी के चाबुक के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े।

जब पाकिस्तान का यह ड्रामा शुरू हुआ था, तो कुछ क्रिकेट पंडितों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश को अपना समर्थन दिखाया था और भारत पर सवाल उठाए थे। इनमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी शामिल हैं। अब भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उन्हें करारा जवाब देते हुए लताड़ा है। गावस्कर का कहना है कि पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए नासिर हुसैन की जमकर खिंचाई की। दरअसल, भारत-पाकिस्तान मैच पर खड़े हुए बवाल के बीच नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट में सवाल उठाया था कि क्या आईसीसी सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार करता है? उन्होंने कहा, अगर भारत किसी टूर्नामेंट से एक महीने पहले कह देता कि हमारी सरकार हमें किसी देश में खेलने नहीं देगी, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रहता? हर कोई सिर्फ एक चीज चाहता है, समानता। नासिर ने यह भी जोड़ा कि भारत के पास पैसा है, ताकत है, लेकिन ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

सुनील गावस्कर का पलटवार

सुनील गावस्कर ने इस टिप्पणी का सीधा नाम लिए बिना जवाब दिया। उन्होंने लिखा, कुछ लोग, खासकर पुरानी ताकतें, यह पचा नहीं पा रही हैं कि अब विश्व क्रिकेट का पावर सेंटर भारत है। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने वाले यह भूल जाते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान जाने से काफी पहले ही मना कर दिया था। तब तक शेड्यूल भी जारी नहीं किया गया था और इसके बाद ही आईसीसी ने न्यूट्रल वेन्यू का इंतजाम किया था। गावस्कर ने स्पोर्टस्टार में अपने आर्टिकल में साफ लिखा, दुनिया का हर समझदार व्यक्ति जानता है कि भारत की कोई भी सरकार अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान भेजने की अनुमति नहीं देगी। गावस्कर ने दोहरे मापदंड दिखाने के लिए 2003 विश्व कप की घटना याद दिलाई, जब इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे में खेलने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा, तब कोई सुरक्षा खतरा नहीं था, फिर भी इंग्लैंड ने खेलने से इनकार कर दिया और अंक छोड़ दिए। क्या आईसीसी ने कुछ किया? नहीं। क्योंकि तब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दबदबा था और बाकी कोई उन्हें नाराज़ नहीं करना चाहता था।

वैभव सूर्यवंशी वाला तंज

गावस्कर यहीं नहीं रुके। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप फाइनल में वैभव सूर्यवंशी की 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक पारी का जिक्र करते हुए व्यंग्य किया। उन्होंने लिखा, अब अगर देखें तो जो वैभव सूर्यवंशी ने किया, वही असली धौंस जमाना (बुलीइंग) है, न कि वो काल्पनिक बुलीइंग जो कुछ लोग देखते हैं। यह टिप्पणी सीधे तौर पर उन आलोचनाओं पर वार थी, जिनमें भारत या बीसीसीआई को ताकत का गलत इस्तेमाल करने वाला बताया जा रहा था। गावस्कर ने यह भी याद दिलाया कि बांग्लादेश के मामले में आईसीसी बोर्ड की वोटिंग में पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर बाकी सभी ने उनके प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया था। इसके बावजूद निशाना सिर्फ भारत पर साधा गया।

मुंबई में आज वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड

दोनों 10 साल पहले फाइनल में भिड़ चुकीं, जीतने वाली टीम टेबल टॉपर बनेगी

मुंबई। टी-20 वर्ल्ड कप के 15वें मुकाबले में आज वेस्टइंडीज का सामना इंग्लैंड से होगा। मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होगा, जिसका टॉस 6.30 बजे होना है। ग्रुप-सी में दोनों टीमें 1-1 मैच जीत चुकी हैं, ऐसे में आज का मैच जीतने वाली टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच जाएंगी। दोनों टीमें 2016 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के कोलकाता में ही आमने-सामने हो चुकी हैं। तब वेस्टइंडीज ने आखिरी ओवर में फाइनल जीता था। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 38 मैच खेले गए। 19 में इंग्लैंड और 18 में वेस्टइंडीज को जीत मिली। एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। हालांकि, वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का दबदबा रहा है। टीम ने 7 में से 5 मुकाबले जीते हैं, जिनमें 2016 का फाइनल भी शामिल है। वेस्टइंडीज ने पांचों मुकाबले 2009 से 2016 के बीच ही जीते, पिछले 2 टूर्नामेंट में इंग्लैंड को ही जीत मिली। वेस्टइंडीज के लिए 2024 के बाद से कप्तान शाई होप ने सबसे ज्यादा 981 रन बनाए हैं। उनके नाम एक सेंचुरी भी है। वहीं गेंदबाजी में लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन 49 विकेट के साथ टॉप विकेट टेकर हैं। स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले मैच में शिमरोन हेटमायर ने फिफ्टी लगाई थी। वहीं रोमारियो शेफर्ड ने हैट्रिक ली थी। वर्ल्ड कप में दोनों टीमें अपना-अपना दूसरा मैच खेलेंगी। इंग्लैंड ने पहले मैच में नेपाल को 4 रन के करीबी अंतर से हराया था। वहीं वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 35 रन से हराया था। आज का मैच जीतने वाली टीम ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर पहुंच जाएगी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मां बनना चाहती हैं ड्रामा क्वीन राखी सावंत, स्पर्म डोनर की तलाश

इस्लाम कबूलने पर कहा- नो कमेंट्स

ड्रामा क्वीन राखी सावंत जब से इंडिया लौटी हैं, लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला रही हैं। राखी कभी अतरंगी आउटफिट में स्पॉट होती हैं। कभी अपनी उट-पटांग बातों से लोगों को हंसाती हैं। अब राखी बिग बॉस मराठी 6 में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ले चुकी हैं। बिग बॉस जॉइन करने से पहले राखी ने इंडस्ट्री, प्रोफेशन और पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें कीं। राखी सावंत ने अपनी सबसे बड़ी इच्छा के बारे में भी बताया कि वो मां बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैं हिंदू थी, क्रिश्चन भी थी और इस्लामिक हूं। किसी धर्म में खराबी नहीं है। मेरी मां ने मुझे जन्म दिया और मेरी अपनी जिंदगी है। । मेरे मरने के बाद।ये सब बोलने वाले गायब हो जाएंगे, मेरा रिश्ता तो खुदा से है। लोग बॉयफ्रेंड ढूंढ़ते हैं, जेवर ढूंढ़ते हैं, पैसे ढूंढ़ते हैं। मैं खुदा ढूंढ़ती हूं, चाहें किसी भी धर्म में जाना पड़े। लेकिन राखी से जब पूछा गया कि क्या वो हिंदू धर्म त्याग कर पूरी तरह मुस्लिम बन गई हैं? राखी कहती हैं कि मेरी अपनी मर्जी है, कोई मुझे खिलाने नहीं आ रहा है। राखी से पूछा गया कि क्या आपने हिंदू धर्म को त्याग दिया है या अब भी उसे फॉलो करती हैं। उन्होंने कहा कि नो कमेंट्स। राखी ने बताया कि मेरे एक्स ने पुलिस, वकील सबको मेरे पीछे छोड़ दिया था। क्योंकि वो 8 महीने जेल में रहा था। वो चाहता था कि मैं भी जेल में रहूं। मैं साढ़े तीन साल दुबई में रही। साढ़े तीन साल में बॉलीवुड में मेरा करियर खत्म हो गया।क्योंकि मैं दुबई में थी। भले ही मैंने साढ़े तीन साल बॉलीवुड में काम नहीं किया, लेकिन मैंने दुबई में पैसा बहुत कमाया। राखी कहती हैं कि मैं चाहती हैं कि मुझ पर बायोपिक बने। मैं चाहती हूं कि मेरी बायोपिक आलिया भट्ट करें, अगर आलिया ना करें, तो विद्या बालन करें। अगर वो भी ना करें, तो मैं खुद कर लूंगी।

राखी सावंत ने की हैं दो शादियां

राखी से पूछा गया कि क्या वो मदरहुड चाहती हैं, बच्चे पैदा करने का प्लान है। उन्होंने कहा कि मैं अपने एग्ज फीज करा चुकी हूं। मैं बहुत जल्द मां बनूंगी। मां बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आप शादी करो। सेरोगेट करने के लिए किसी का भी स्पर्म ले लो। सलमान भाई को छोड़कर मैं किसी भी हीरो का स्पर्म ले सकती हूं। राखी सावंत ने दो शादियां की हैं। पहली शादी 2019 में NRI रितेश सिंह से की थी, लेकिन 2022 में उनका तलाक हो गया। दूसरी शादी 2022 में आदिल खान दुर्रानी से की, जिसके लिए उन्होंने धर्म बदला था। लेकिन आदिल संग भी उनकी शादी नहीं टिकी और दोनों जल्द ही अलग हो गए।

मेट्रो बाजार

गोल्डमैन सैक्स ने बढ़ाया देश की वृद्धि दर का अनुमान, चालू खाता घाटे में भी की कटौती

नई दिल्ली। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील के एलान के बाद भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर सकारात्मक रुख अपनाया है। फर्म ने कैलेंडर ईयर 2026 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है।

बाहरी क्षेत्र पर भी तस्वीर सुधरी है। फर्म ने भारत के चालू खाता घाटा के अनुमान को करीब 0.25 प्रतिशत जीडीपी घटाकर कैलेंडर वर्ष 2026 में 0.8 प्रतिशत कर दिया है। यह संशोधन अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यात पर टैरिफ कम करने के एलान के बाद किया गया है। गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि ट्रेड डील के बाद भारतीय रुपये पर दबाव घटा है और बीते एक हफ्ते में रुपया उभरते बाजारों की सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा रहा। हालांकि, ब्रोकरेज का मानना है कि मौजूदा स्तर से रुपये में ज्यादा मजबूती की गुंजाइश सीमित है, क्योंकि संभावित पोर्टफोलियो इनफ्लो को आरबीआई द्वारा फॉरेक्स रिजर्व बढ़ाने और शॉर्ट फॉरवर्ड पोजिशन के अनवाइंड से संतुलित किया जा सकता है। ब्याज दरों को लेकर फर्म ने अपना रुख बरकरार रखा है। गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक कैलेंडर ईयर 2026 में ब्याज दरों में 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखेगा। ब्रोकरेज का कहना है कि बेहतर बाहरी परिस्थितियों के चलते ग्रोथ से जुड़े डाउनसाइड जोखिम कम हुए हैं।

NCDEX और MSE की डेरिवेटिव्स बाजार में एंट्री पर रोक, नियामक ने कहा- हवा में महल न बनाएं

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शंस के बेतहाशा बढ़ते क्रेज और खुदरा निवेशकों के जोखिम को देखते हुए बाजार नियामक सेबी ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। सेबी ने देश के दो उभरते एक्सचेंजों- नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) और मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) की इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में एंट्री पर फिलहाल रोक लगा दी है।

नियामक ने दो टूक शब्दों में इन एक्सचेंजों को सलाह दी है कि वे डेरिवेटिव्स का आकर्षक बाजार शुरू करने से पहले अपने कैश मार्केट (शेयर ट्रेडिंग) के बिजनेस को मजबूत करें। सेबी का यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए है कि बिना मजबूत आधार के डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग को बढ़ावा न मिले।

सूत्रों के मुताबिक, सेबी ने साफ कहा है कि किसी भी नए एक्सचेंज को डेरिवेटिव्स लॉन्च करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि वे एक लिक्विड (तरल) कैश मार्केट स्थापित नहीं कर लेते।

छह महीने का नियम: सेबी चाहता है कि कैश इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स के लॉन्च के बीच कम से कम छह महीने का अंतर हो।

प्राइस डिस्कवरी: एक्सचेंजों को यह साबित करना होगा कि उनके कैश मार्केट में पर्याप्त भागीदारी, लिक्विडिटी और सटीक प्राइस डिस्कवरी हो रही है। नियामक नहीं चाहता कि नए खिलाड़ी बिना किसी ठोस आधार के डेरिवेटिव ट्रेडिंग को और हवा दें।

टेक्नोलॉजी अपग्रेड: सेबी ने दोनों एक्सचेंजों को इक्विटी सेगमेंट में उतरने से पहले अपनी तकनीक को अपग्रेड करने का भी निर्देश दिया है।

राजपाल के घर लंगर के खाने की तरह खाते थे नवाजुद्दीन, आज मुसीबत में कहां हैं गायब!

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव अपनी 2012 की फिल्म अता पता लापता से जुड़े चेक बाउंस मामले में सरेंडर करने के बाद से तिहाड़ जेल में हैं। मामला फिल्म के लिए लिए गए 5 करोड़ रुपये के कर्ज, कुछ बाउंस हुए चेक और उसके बाद की चीजों से संबंधित है। बार-बार देरी और समय सीमा चूकने के बाद, अदालत ने उनकी अंतिम याचिका खारिज कर दी और उन्हें आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। आत्मसमर्पण करने से पहले, एक्टर ने कथित तौर पर कहा कि उनके पास न तो पैसे हैं और न ही कोई दोस्त जो उनकी आर्थिक स्थिति में मदद कर सके। अब, इसी बात से जोड़कर एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने पुराने दिनों को याद किया था और राजपाल यादव के बारे में बात की थी। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा था, पूरी इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा एकेडमिक एजुकेशनल अगर किसी के पास है तो राजपाल और मेरे पास हैं, 5 साल सिर्फ एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है हम दोनों ने, तो मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा एजुकेटेड एक्टर हम ही दोनों हैं जो देखने से नहीं लगेगा आपको।% जब से नवाज का एक बयान वायरल हुआ है, सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म इंडस्ट्री

की दोस्ती और वास्तविक रिश्तों पर सवाल उठाते नजर आ रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का ये पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया यूजर्स की नजरों में आया, जिसमें गैंग्स ऑफ वासेपुर के एक्टर राजपाल यादव के मुंबई स्थित घर पर अपने संघर्ष के दौरान खाने, रहने और एक्टर के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। इससे न केवल सोशल मीडिया यूजर्स नाराज हुए, बल्कि उन्होंने इस कठिन समय में नवाजुद्दीन की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

न्यूयॉर्क की हडसन नदी पर बर्फ की सफेद संगमरमर की चादर

न्यूयॉर्क। भीषण शीत लहर के कारण न्यूयॉर्क की हडसन नदी में बर्फ की मोटी परत जम गई है। नदी के किनारों, विशेष रूप से मैनहट्टन के पश्चिमी तट पर, बर्फ की मोटी सिल्लियां तैरती और जमती हुई दिखाई दे रही हैं, जिससे यह दृश्य किसी सफेद संगमरमर की चादर जैसा लग रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह पिछले कई वर्षों में बर्फ की सबसे अधिक मात्रा है, जो 1888 और 1947 जैसी ऐतिहासिक ठंड की याद दिलाती है। वहीं इन दिनों शहर की सड़कों पर भी जगह-जगह बर्फबारी से बर्फ के ऊँचे-ऊँचे ढेर जमा हो गए हैं ।

न्यूज विंडो

खून से लथपथ मिली मां और बेटी की लाश, दुष्कर्म व हत्या का शक

दुमका। दुमका नगर थाना क्षेत्र स्थित वीर कुंवर सिंह चौक के समीप सदर आरक्षी निरीक्षक के बंद कार्यालय के पीछे बरामदे से पुलिस ने सुबह अर्धविक्षिप्त महिला और उसकी छह वर्षीय बेटी का शव बरामद किया है। दोनों के नाक और मुंह से खून निकल रहा है। जिससे इस बात की आशंका है कि उनकी हत्या की गई है। मौके पर पुलिस पहुंच चुकी है और छानबीन कर रही है। सुबह मॉर्निंग वॉक कर लौट रहे लोगों ने सदर इंस्पेक्टर कार्यालय के समीप पिछले बरामदे पर एक 30 वर्षीय महिला और उसकी छह वर्षीय बच्ची का शव देखा। इसके बाद लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई । दोनों के नाक और मुंह से खून निकल रहा है जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि उनकी हत्या हुई है। भीड़ में मौजूद कई लोगों ने बताया कि यह महिला पिछले कुछ दिनों से इधर ही भटक रही थी। कभी - कभी इसके साथ एक दिव्यांग व्यक्ति भी रहता था।

अमेरिका से पकड़कर लाया गया गैंगस्टर सोमबीर मोटा

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। कई जघन्य अपराधों में वांछित कुख्यात गैंगस्टर सोमबीर उर्फ मोटा को अमेरिका से डिपोर्ट कर देर रात भारत लाया गया। हरियाणा पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। कई जघन्य अपराधों में वांछित कुख्यात गैंगस्टर सोमबीर उर्फ मोटा को अमेरिका से डिपोर्ट कर मंगलवार देर रात भारत लाया गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरते ही हरियाणा स्क्वॉड की टीम ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। रोहतक के कारौर गांव का रहने वाला सोमबीर मोटा हरियाणा और दिल्ली पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। उस पर हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और लूट जैसे लगभग 20 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। वह कुख्यात गैंगस्टर अनिल छिप्पी का भाई है और बताया जाता है कि इनके तार लॉरेंस बिश्नोई और काला जठेड़ी गैंग से भी जुड़े रहे हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, सोमबीर मोटा साल 2024 में कानून की आंखों में धूल झोंककर और फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट बनवाकर अमेरिका फरार हो गया था।

आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका, राजू करपड़ा ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात में आम आदमी पार्टी (AAP) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की किसान विंग के अध्यक्ष राजू करपड़ा ने AAP से इस्तीफा दे दिया है। राजू करपड़ा पिछले काफी समय से गोपाल इटालिया से नाराज चल रहे थे। करपड़ा ने इस्तीफे से सौराष्ट्र क्षेत्र में पार्टी के फैलाव पर ब्रेक लग सकता है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में राजू करपड़ा ने कहा कि मैं आम आदमी पार्टी में अपने सभी पदों एवं जिम्मेदारियों से आज दिनांक 11 / 02 / 2026 से इस्तीफा देता हूं। व्यक्तिगत कारणों के चलते मेरे लिए वर्तमान दायित्वों का निर्वहन कर पाना संभव नहीं है। पार्टी ने मुझे जो अवसर, सम्मान और सहयोग दिया उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। कृपया मेरा इस्तीफा स्वीकार करने की कृपा करें। अपने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर कर करपड़ा ने कहा कि दोस्तों, आज मैं आम आदमी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफ़ा दे रहा हूं.. ! मेरा फ़ैसला आपको ज़रूर हैरान कर देगा। मैंने पार्टी को मज़बूत बनाने के लिए अपने परिवार को खास अहमियत और समय दिया है, लेकिन कुदरत ने यहीं तक साथ लिखा है।

बांग्लादेश में उबलते सियासी घमासान के बीच चुनाव की तैयारी

संवेदनशील मतदान केंद्रों के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश महीनों से उबलते सियासी घमासान के बाद अब फैसले की दहलीज पर खड़ा है। कल यानी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सरकार चुनने की कवायद नहीं, बल्कि देश की कानून-व्यवस्था, लोकतंत्र और स्थिरता की भी अग्निपरीक्षा हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का हालिया बयान इस चुनाव और मतदान को लेकर सियासी टकराव और इसकी गंभीरता को उजागर कर रहा है। बांग्लादेश चुनाव आयोग का मानना है कि देश के आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

साथ ही इन केंद्रों पर खास निगरानी भी रखी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, करीब 90 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर सीसीवीटी कैमरे लगाए गए हैं। राजधानी ढाका में तैनात कई पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी कैमरा पहनकर ड्यूटी करेंगे, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

जोखिम के आधार पर सुरक्षा

चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात मीडिया को बताया कि चुनाव आयोग की सुरक्षा योजना जोखिम के आकलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर इलाके की स्थिति को देखकर सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह चुनाव देश के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सुरक्षा तैनाती के साथ कराया जा रहा है और तकनीक का भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है।

पुलिस और सेना के अलग-अलग आंकड़े

पुलिस महानिरीक्षक बहादुरुल आलम ने बताया कि देश के करीब 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 केंद्र उच्च या मध्यम स्तर के संवेदनशील हैं। पुलिस के अनुसार ढाका के 2,131 मतदान केंद्रों में से 1,614 केंद्र संवेदनशील हैं। हालांकि, सेना ने एक अलग मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ढाका शहर में केवल दो केंद्र ही जोखिम भरे हैं। ऐसे में इन आंकड़ों में अंतर को लेकर सवाल भी उठे हैं।

बांग्लादेश चुनाव में पहली बार बॉडी कैमरा

अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी-वॉर्न कैमरा इस्तेमाल करेंगे। इससे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। वहीं चुनाव आयुक्त सनाउल्लाह ने कहा कि चुनाव आयोग मौजूदा कानून-व्यवस्था से काफी हद तक संतुष्ट है। उनका कहना है कि पहले के मुकाबले इस बार स्थिति कहीं बेहतर है।

12 करोड़ 77 लाख से ज्यादा मतदाता मतदान करेंगे

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इस बार के चुनाव में कुल 12 करोड़ 77 लाख से ज्यादा मतदाता मतदान करेंगे। पहली बार वोट देने वाले मतदाता करीब 3.58 प्रतिशत हैं। खास बात यह भी है कि इस बार चुनाव एक जनमत संग्रह के साथ हो रहे हैं, जिसमें 84 बिंदुओं वाले जटिल सुधार प्रस्ताव पर जनता की राय ली जा रही है। दूसरी ओर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी (जो पहले बीएनपी की सहयोगी थी) के बीच कड़ा मुकाबला भी माना जा रहा है।

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में

छठी बार कोर्ट को उड़ाने की धमकी, ईमेल से फैली दहशत

पटना, एजेंसी

पटना सिविल कोर्ट को सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया, क्योंकि धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई थी और सूचना मिलते ही प्रशासन ने एहतियातन पूरे कोर्ट परिसर को तुरंत खाली करा लिया। अदालती कार्यवाही रोक दी गई और सुरक्षा कारणों से किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बता दें कि एक बजे रात को जिला एवं सत्र न्यायाधीश के ऑफिस के मेल पर आरडीएक्स प्लांट किये जाने की बात लिखी है। कोर्ट परिसर को खाली कराया जा रहा है। मौके पर पुलिस और बम निरोधक दस्ता भी पहुंचकर जांच कर रही है। जांच के बाद 12 बजे से अदालत की कार्यवाही आरंभ होगी।

घटना की जानकारी मिलते ही पीरबहोर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कोर्ट परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड को भी जांच में लगाया गया है, जो हर कमरे, गलियारे और पार्किंग क्षेत्र की बारीकी से जांच कर रहे हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।

साइबर जांच में जुटी एजेंसियां

धमकी ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल को भी सक्रिय कर दिया गया है और आईपी एड्रेस सहित डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिर बार-बार इस तरह की धमकी कौन और किस मकसद से भेज रहा है। फिलहाल कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच पूरी होने तक स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

सीएम हिमंत ने दी कांग्रेस को चेतावनी

'मेरी अवैध जमीन की सूची कोर्ट में जमा करो, नहीं तो 500 करोड़ रुपये दो'

नई दिल्ली। 'भूमि हड़पने' के आरोपों पर मानहानि का मुकदमा दायर करने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी और कहा, मेरी 12,000 बीघा 'अवैध भूमि' की सूची अदालत में जमा करें, अन्यथा मुझे 500 करोड़ रुपये दें। इससे पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर जुबानी हमला बोला, गोगोई का 2013 के पाकिस्तान दौरे के दौरान 'बिना वीज़ा के रावलपिंडी जाने की बात मानना' यह साबित करता है कि वह पड़ोसी देश में 'स्टेट गेस्ट' थे।

बोंगाईगांव में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सरमा ने कहा, 'गोगोई ने खुद कहा है कि वह रावलपिंडी गए थे और उन्होंने ये

भी माना है कि वह बिना वीज़ा के गए थे, तो वह ज़रूर पाकिस्तानी सेना या पुलिस की गाड़ी में गए होंगे। अगर वह बिना वीज़ा के गए हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्टेट गेस्ट थे और मेरे बताने से पहले ही उन्होंने यह खुद बता दिया और वह वीडियो क्लिप कोर्ट में पेश करने के लिए काफी है। गौरव गोगोई ने कहा था, दिसंबर 2013 में पड़ोसी देश की 10 दिन की ट्रिप के दौरान वह अपनी पत्नी के साथ पाकिस्तान में तक्षशिला गए थे और इसके लिए उन्होंने इजाज़त ली थी।

कार-ट्रक की भीषण टक्कर, छह लोगों मौत

दौसा। दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 5 सगे भाई और उनके एक दोस्त की मौत हो गई। सभी युवक शादी-समारोह से लौटकर घर जा रहे थे। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर कैलाई गांव के पास रात करीब 11 बजे उनकी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई, डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ जा रहे ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। हादसे से कुछ घंटे पहले सभी दोस्त शादी समारोह में साथ बैठकर खाना खा रहे थे और उन्होंने एक साथ फोटो भी क्लिक करवाई थी। इसके बाद सभी एक ही कार में सवार होकर घर के लिए रवाना हुए थे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन जाएगा।

उम्रकैद की सजा घटाकर 12 साल की

रेप केस के दोषी ने गांधी पर लिखा निबंध, कोर्ट ने कम कर दी सजा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की से रेप के दोषी एक आदमी की उम्रकैद की सजा घटाकर 12 साल कर दी है। कोर्ट ने उसकी कम उम्र, लंबे समय तक जेल में रहने और जेल में सुधार की कोशिशों को ध्यान में रखते हुए यह सजा दी है। सुधार की कोशिशों में महात्मा गांधी पर एक निबंध प्रोग्राम में हिस्सा लेना भी शामिल है।

जस्टिस सारंग कोटवाल और जस्टिस संदेश पाटिल की बेंच ने 2 फरवरी के अपने आदेश में 2016 के जुर्म में आदमी की सजा को बरकरार रखा, लेकिन कहा कि उसे दी गई उम्रकैद की सजा कम की जानी चाहिए। बेंच ने यह आदेश दोषी की अपील पर दिया, जिसमें उसने स्पेशल POCSO कोर्ट द्वारा दी गई उम्रकैद की सजा को चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि अपराध के समय दोषी की उम्र 20 साल थी, उसका कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था, वह दिसंबर 2016 से हिरासत में था और उसे COVID-19 महामारी के दौरान भी रिहा नहीं किया गया था। बेंच ने जेल की पढ़ाई-लिखाई की एक्टिविटीज में उसके हिस्सा लेने वाले सर्टिफिकेट पर भी विचार किया, जिसमें एक निबंध कॉम्पिटिशन और महात्मा गांधी के विचारों पर स्टडी करने वाला एक प्रोग्राम शामिल था। जुर्म की गंभीरता के हिसाब से इन सुधार वाले फैक्टर्स को ध्यान में रखते हुए, बेंच ने कहा, 'हमारी राय में 12 साल की सजा इंसाफ के लिए सही होगी।'

श्रद्धांजलि

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि: राजनाथ-शाह ने भी नमन किया

पीएम मोदी बोले- उनके सिद्धांत हर पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को देश की हर पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक बताया। सर्वस्व समर्पण उस चेतना की अभिव्यक्ति है, जिसमें राष्ट्र और मानवता सर्वोपरि होती है। अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भी इसी भावना से देश के जन-जन को सशक्त बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का विकास ही राष्ट्र का विकास: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

ने उन्हें अंत्योदय और एकात्म मानववाद के प्रणेता व महान राष्ट्रचिंतक बताया। शाह ने कहा कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का विकास ही राष्ट्र के विकास का मापदंड है और यह विचार देने वाले दीनदयाल जी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

कर्मयोगी और महान विचारक रहे उपाध्याय: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उन्हें निस्वार्थ कर्मयोगी और महान विचारक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि एकात्म मानव दर्शन के माध्यम से दिया गया अंत्योदय का मंत्र समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना आज भी विकसित भारत के निर्माण की बुनियाद है।

सबका साथ, सबका विकास की भावना उनकी विचारधारा से आई: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे पंडित उपाध्याय को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास की भावना उनकी विचारधारा की जीवंत अभिव्यक्ति है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने दार्शनिक सिद्धांत के लिए हैं प्रसिद्ध

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916-1968) एक प्रमुख राजनीतिक चिंतक, अर्थशास्त्री और भारतीय जनसंघ के प्रमुख नेताओं में से थे। वे अपने दार्शनिक सिद्धांत 'एकात्म मानव दर्शन' के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं।उनकी विचारधारा का मूल आधार यह था कि विकास केवल भौतिक प्रगति तक सीमित न रहकर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन और सामंजस्य पर जोर दिया। उनके अनुसार, आर्थिक नीतियों का लक्ष्य केवल उत्पादन और उपभोग बढ़ाना नहीं, बल्कि मानव के समग्र विकास को सुनिश्चित करना होना चाहिए। वे 1968 में अपने असामयिक निधन तक भारतीय जनसंघ का नेतृत्व करते रहे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564